हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 208 बेमेतरा, सोमवार 23 मार्च 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

चिचक न्यूज

खरगे-राहुल ने बिहार स्थापना दिवस पर दी प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बिहार स्थापना दिवस पर शुभकामनाएं देते हुए प्रदेश के लोगों के तरक्की की कामना की है खरगे ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा लोकतंत्र की पावन धरती बिहार, ज्ञान- परंपरा और सभ्यता का प्रतीक है। इसी भूमि से महात्मा गांधी ने अंग्रेज़ी हुकूमत के विरुद्ध देशवासियों की आवाज़ को एक नई दिशा दी थी।

महंगाई पर बोलीं मंत्री राजवाड़े : सिलेंडर महंगा, लेकिन देश की सुरक्षा सर्वोपरि

दुर्ग-भिलाई। दुर्ग जिले में स्थित भिलाई में आयोजित सहकार भारती के राज्य स्तरीय महिला सहकारिता सम्मेलन में प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने शिरकत की। कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने महंगाई, गैस सिलेंडर की कीमत, धर्म स्वतंत्रता विधेयक और महतारी वंदन योजना सहित कई अहम मुद्दों पर सरकार का पक्ष रखा। मंत्री राजवाड़े ने रसोई गैस की बढ़ती कीमतों पर कहा कि इसे केवल महंगाई के नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए। उनके अनुसार, वर्तमान में वैश्विक परिस्थितियों का असर भारत सहित कई देशों पर पड़ रहा है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश मजबूती से इन चुनौतियों का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि गैस की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार और बाहरी परिस्थितियों से प्रभावित होती हैं, इसलिए यह स्थिति स्थायी नहीं है।

सचदेवा ने सबसे ज्यादा दिन तक सरकार का प्रमुख रहने पर दी मोदी को बधाई

नयी दिल्ली। दिल्ली प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने सबसे ज्यादा दिन तक सरकार का प्रमुख बने रहने वाले राजनेता बनने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बधाई दी है और कहा है कि उन्होने ना सिर्फ भारत को एक स्वावलंबी देश बनाया है, बल्कि उनकी छवि के चलते आज भारत पूरे विश्व को नेतृत्व देने की क्षमता रखता है। सचदेवा ने रविवार को संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि मोदी ने राष्ट्र सेवा को समर्पित प्रशासन प्रमुख के तौर पर 8931 दिन का कार्यकाल पूरा करके भारत में शासन प्रमुख के रूप में एक कीर्तिमान स्थापित किया है। चार बार गुजरात से विधायक और तीन बार उत्तर प्रदेश से लोकसभा सांसद निर्वाचित होकर मोदी ने लोकप्रियता की एक अनूठी मिसाल स्थापित की है।

खतरनाक बैक्टीरिया के इलाज में 2 एंटीबायोटिक की जुगलबंदी कारगर

नयी दिल्ली। अस्पतालों में कई दवाओं से लड़ने वाले खतरनाक बैक्टीरिया अब आम एंटीबायोटिक्स से ठीक नहीं हो पाते। ये गंभीर बीमारियों में बहुत बड़ा खतरा बन जाते हैं। लेकिन, अब एक नई खोज से उम्मीद दिख रही है। वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल के वैज्ञानिकों के हालिया अध्ययन में पाया गया कि दो एंटीबायोटिक दवाओं सेफ्टाजिडाइम-एविबैक्टम और एज़्ट्रियोनाम को साथ में देने से प्रतिरोधी बैक्टीरिया कार्बापेनेम-रेसिस्टेंट एंटरोबैक्टेरेल्स पर अच्छा असर दिखता है।

मुख्यमंत्री साय ने जुनवानी नर्मदा धाम में की पंच कुंडीय श्री रुद्र महायज्ञ की परिक्रमा

व्यासपीठ की पूजा-अर्चना कर लिया आशीर्वाद, प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना

मुख्यमंत्री पंच कुंडीय श्री रुद्र महायज्ञ एवं श्री शिव महापुराण कथा में हुए शामिल

कवर्धा। चैत्र नवरात्रि की पावन चतुर्थी तिथि पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय कबीरधाम जिले के ग्राम जुनवानी नर्मदा धाम में आयोजित पंच कुंडीय रुद्र महायज्ञ एवं शिव महापुराण कथा में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ विधि-विधान से यज्ञ की परिक्रमा की तथा व्यासपीठ की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यमंत्री साय ने इस धार्मिक अनुष्ठान के दौरान प्रदेशवासियों की सुख, शांति और समृद्धि की कामना करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की। उन्होंने उपस्थित श्रद्धालुओं का आत्मीय अभिवादन किया और सभी को चैत्र नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, पंडरिया विधायक भावना बोहरा, पूर्व सांसद अभिषेक सिंह, पूर्व विधायक डॉ. सियाराम साहू, मोतीराम चंद्रवंशी, अशोक साहू, राज्य पुलिस जवाबदेही प्राधिकरण के सदस्य भगत पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, नगर पालिका अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश चंद्रवंशी, उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, जिला पंचायत सदस्य राम कुमार भट्ट, पूर्णिमा मनीराम साहू, गंगा बाई लोकचंद साहू, डॉ वीरेन्द्र साहू, राजेन्द्र चंद्रवंशी, संतोष पटेल गोपाल साहू, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अनिल ठाकुर, उमंग पांडेय, सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी पंच कुंडीय रुद्र महायज्ञ की परिक्रमा कर पूजा-अर्चना की और आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान आईजी बालाजी राव, कलेक्टर गोपाल वर्मा, पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक अग्रवाल उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि जिला साहू संघ द्वारा आयोजित पंच कुंडीय रुद्र महायज्ञ एवं शिव महापुराण कथा में शामिल होकर उन्हें अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। उन्होंने कहा कि आज इस पावन यज्ञ में शामिल होने का अवसर मिलना उनके लिए बड़े सौभाग्य की बात है। मुख्यमंत्री साय ने अपने संबोधन में कहा कि साहू समाज एक विशाल, शिक्षित और समृद्ध समाज है, जो सदैव समाज को दिशा देने का कार्य करता रहा है। उन्होंने दानवीर भामाशाह का उल्लेख करते हुए कहा कि वे इसी समाज से थे, जिन्होंने अपने त्याग और दान से इतिहास में अमिट छाप छोड़ी है।

संत महात्माओं की पुण्य धरा और प्रभु श्रीराम के ननिहाल को विकसित और समृद्ध बनाने संकल्पित है हमारी सरकार : सीएम साय

कवर्धा। छत्तीसगढ़ संत-महात्माओं की पुण्य भूमि और प्रभु श्रीराम का ननिहाल है, जिसे विकसित और समृद्ध बनाना राज्य सरकार का संकल्प है। शांति, सुरक्षा, खुशहाली और सुशासन के मूल मंत्र के साथ 3 करोड़ प्रदेशवासियों की खुशहाली हमारा ध्येय है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज कबीरधाम जिले के ग्राम सेमरिया में वीरांगना अवंतीबाई लोधी के 168 में बलिदान दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री साय ने वीरांगना अवंतीबाई लोधी की प्रतिमा का अनावरण कर उन्हें नमन किया। साथ ही मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में सामुदायिक भवन, मिनी स्टेडियम और यज्ञशाला निर्माण की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री ने कहा कि वीरांगना अवंतीबाई लोधी का जीवन साहस, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति की अमिट मिसाल है। उन्होंने सीमित संसाधनों और छोटी सेना के बावजूद अंग्रेजों के खिलाफ अदम्य साहस के साथ संघर्ष किया और देश के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। ऐसी महान विभूति से हमें प्रेरणा लेकर अपने जीवन में राष्ट्रसेवा और समाजहित के मूल्यों को अपनाना चाहिए। उन्होंने लोधी समाज की सराहना करते हुए कहा कि यह समाज ऐतिहासिक रूप से वीरता, नैतिकता और राष्ट्रसेवा के लिए जाना जाता है। स्वतंत्रता संग्राम में इस समाज का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है और आज भी यह समाज देश और प्रदेश के विकास में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज की नई पीढ़ी को अपने गौरवशाली इतिहास से अवगत कराना आवश्यक है, ताकि वे उसी परंपरा को आगे बढ़ा सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार किसानों, गरीबों और महिलाओं के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

यूएनआई मुख्यालय खाली कराने में पत्रकारों से पुलिस दुर्व्यवहार निंदनीय : अमजा

देहरादून। ऑल मीडिया जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन (अमजा) उत्तराखंड ने देश की सबसे पुरानी बहुभाषीय समाचार एजेंसी यूनाईटेड न्यूज ऑफइंडिया (यूएनआई) के दिल्ली मुख्यालय में कार्यरत पत्रकारों से हिंसक दुर्व्यवहार की घोर निंदा की है। अमजा के अध्यक्ष बृजेंद्र हर्ष तथा महामंत्री रवींद्रनाथ कौशिक ने इस प्रकरण को पत्रकारों के अपमान और स्वतंत्र पत्रकारिता पर प्रहार बताते हुए कहा है कि उच्च न्यायालय के आदेश के बहाने संपत्ति खाली कराने को पुलिस और प्रशासन ने जिस प्रकार समाचार प्रेषण के संवेदनशील और तनावपूर्ण समय में पत्रकारों को वरिष्ठ प्रबंधन से संपर्क का अवसर दिये बिना जो शत्रुवत व्यवहार किया, वह इस सरकार में अभूतपूर्व है। हर्ष और कौशिक ने मांग की कि इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना की समयबद्ध निष्पक्ष जांच हो और इस व्यवहार के लिए उत्तरदायी अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाये। उन्होंने कहा कि अमजा इसे लेकर यूएनआई पत्रकार और कर्मचारी संघ का हर स्तर पर सहयोग करेगा। उन्होंने कहा कि संपत्ति विवाद में पत्रकारों से दुर्व्यवहार का कोई मतलब नही है।

भारतीय शिक्षा बोर्ड छात्रों को चरित्रवान व राष्ट्र के प्रति जिम्मेदार बनाएगा : बाबा रामदेव

मऊ। अंतरराष्ट्रीय योग गुरु बाबा रामदेव ने कहा कि भारतीय शिक्षा बोर्ड के उद्देश्य देश को 'शिक्षा की गुलामी' से मुक्त कराना है और थॉमस बबिंगटन मैकाले की शिक्षा प्रणाली से बाहर निकलना समय की आवश्यकता है। जिला मुख्यालय स्थित लिटिल फ्लावर स्कूल समूह, सिकटिया में आयोजित कार्यक्रम में बाबा रामदेव ने कहा कि वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में संस्कारों की कमी है, जबकि भारतीय शिक्षा बोर्ड की प्रणाली छात्रों को ज्ञानवान के साथ-साथ चरित्रवान और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनाएगी। उन्होंने कहा कि यह शिक्षा पद्धति छात्रों को अनावश्यक कोचिंग खर्च से बचाएगी और जाति, वर्ग तथा समुदाय से ऊपर उठकर हर विद्यार्थी को 'क्रिएटर' और दूरदर्शी नागरिक बनाने पर केंद्रित होगी। उन्होंने पारंपरिक शिक्षा व्यवस्था की आलोचना करते हुए कहा कि देश को राजनीतिक स्वतंत्रता तो मिल गई, लेकिन शिक्षा, चिकित्सा और विचारधारा के क्षेत्रों में अभी भी 'गुलामी' बनी हुई है। बाबा रामदेव ने बताया कि वर्तमान में लगभग एक लाख छात्र इस बोर्ड से जुड़े हैं और अगले 10 वर्षों में इसे 5 लाख तक पहुंचाने का लक्ष्य है। उन्होंने दावा किया कि इस बोर्ड से शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्र समाज विरोधी गतिविधियों से दूर रहेंगे।

चुनाव आयोग का 2026 के चुनावों में सभी मतदान केंद्रों पर सुविधाओं को बेहतर बनाने का आदेश

नयी दिल्ली। चुनाव आयोग ने 2026 के विधानसभा चुनावों एवं उपचुनावों के लिए 21 लाख से अधिक मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की सुविधा एवं पहुंच सुनिश्चित करने के लिए व्यापक दिशा-निर्देश दिया है। चुनाव आयोग की ओर से रविवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 2,18,807 मतदान केंद्रों में से प्रत्येक में पीने का पानी, छायादार प्रतीक्षा क्षेत्र, पानी की सुविधा वाले शौचालय, पर्याप्त रोशनी, दिव्यांगजनों के लिए रैंप और मानक मतदान कक्ष जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। चुनाव आयोग ने 15 मार्च को असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की विधानसभाओं के साथ-साथ छह अन्य राज्यों में उपचुनावों के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की है।

चुनाव आयोग बंगाल में शांतिपूर्ण चुनाव के लिए 2,400 केंद्रीय बल कंपनियों की करेगा तैनाती

कोलकाता। एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव में स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए राज्य में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की 2,400 कंपनियों को तैनात करने का निर्णय लिया है। इस कदम को राज्य के चुनावी इतिहास में सबसे व्यापक सुरक्षा व्यवस्थाओं में से एक के रूप में देखा जा रहा है, जिसका उद्देश्य 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को होने वाले दो चरणों के चुनावों के दौरान और बाद में हिंसा को रोकना है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय के सूत्रों के अनुसार, तैनाती पहले ही शुरू हो चुकी है और केंद्रीय बलों की 480 कंपनियां इस महीने की शुरुआत में राज्य में पहुंच चुकी हैं।

ईओडब्ल्यू अधिकारी बनकर ब्लैकमेलिंग

9.5 लाख की ठगी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर में प्रतिरूपण कर ठगी और ब्लैकमेलिंग के एक गंभीर मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। थाना राखी में दर्ज इस प्रकरण में आरोपी ने स्वयं को आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा (ईओडब्ल्यू) का अधिकारी बताकर एक सेवानिवृत्त अधिकारी से लाखों रुपये ठग लिये। पुलिस के अनुसार, प्रार्थी देवलाल सिंह टेकाम, जो लोक निर्माण विभाग से अधीक्षण अभियंता पद से सेवानिवृत्त हैं, को 28 जनवरी 2026 को अज्ञात मोबाइल नंबरों से कॉल कर यह बताया गया कि उनके खिलाफ सतर्कता विभाग, एसीबी एवं ईओडब्ल्यू में शिकायत दर्ज है। प्रारंभिक जांच में ये कॉल साइबर ठगी के उद्देश्य से किये गये पाए गए।

15 हिरणों की मौत पर संजय वन वाटिका के प्रभारी के साथ सहायकों पर गिरी गाज

अंबिकापुर। नगर स्थित संजय वन वाटिका में आवारा कुत्तों के हमले में 15 हिरणों की मौत के मामले में मुख्य वन संरक्षक, सरगुजा वनवृत्त दिलराज प्रभाकर ने कार्रवाई करते हुए वन वाटिका के प्रभारी के साथ तीन सहायकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में इन अधिकारियों का मुख्यालय सरगुजा वनमंडल, अंबिकापुर निर्धारित किया गया है। मुख्य वन संरक्षक, सरगुजा वनवृत्त दिलराज प्रभाकर द्वारा 21 मार्च को जारी आदेश में शासकीय कर्तव्य के प्रति गंभीर लापरवाही और वन प्राणियों के संरक्षण, संवर्धन में घोर उदासीनता पाए जाने पर उपवनक्षेत्रपाल (एससीएफओ) एवं प्रभारी संजय वन वाटिका अशोक सिन्हा, वनपाल (सीएफओ) सहायक, संजय वन वाटिका ममता परते, वनपाल (सीएफओ) प्रतिमा लकड़ा और वनपाल (सीएफओ) बिन्दु सिंह को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन आदेश में बताया गया है कि आवारा कुत्तों के काटने से संजय वन वाटिका में रखे 14 हिरण प्रजाति की मौत हुई है। इसमें एक नर कोटरा, 5 मादा कोटरा, एक नर चीतल, 5 मादा चीतल और दो नर चौसिंघा की मौत हुई है. आदेश जारी होने के बाद एक और हिरण की मौत हुई है, जिसका वन विभाग ने पूरी विभागीय प्रक्रिया अपनाते हुए अंतिम संस्कार किया है। संजय वन वाटिका में दो दिन पहले 4-5 कुत्तों ने बाड़े में घुसकर हिरणों पर हमला किया था, जिसमें 15 हिरणों की मौत हो गइ। वाटिका प्रबंधन ने घटना को दबाने के लिए पीछे जंगल में चुपचाप 14 हिरणों के शव को भी जला दिया। घटना की जानकारी मिलने पर डीएफओ अभिषेक जोगावत मौके पर पहुंचे।

मोदी सरकार के प्रमुख तौर पर 8931 दिन पूरा होने को भाजपा नेताओं ने बताया राष्ट्रसेवा का प्रतीक

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सरकार के प्रमुख के तौर पर 8931 दिन पूरे होने पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें बधाई दी और उनके कार्यकाल को राष्ट्रसेवा का उदाहरण बताया। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोशल मीडिया एक्स पर अपने एक पोस्ट में लिखा कि प्रधानमंत्री मोदी का 8931 दिनों का सार्वजनिक जीवन केवल राजनीतिक यात्रा नहीं, बल्कि तप, त्याग और राष्ट्रसेवा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में मोदी ने विकास और सुशासन का मजबूत मॉडल पेश किया और प्रधानमंत्री बनने के बाद 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के मंत्र के साथ देश को नई दिशा दी। नवीन ने लिखा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में आधारभूत ढांचे का तेजी से विकास हुआ, डिजिटल क्रांति आई और कई जनकल्याणकारी योजनाएं लागू हुई। प्रधानमंत्री जन धन योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत और प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी योजनाओं से करोड़ों लोगों को फायदा मिला है। वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि मोदी जी की दशकों की सेवा ने भारत को एक नए दौर में पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि गरीबों को अधिकार दिलाने, विकास के नए आयाम स्थापित करने और दुनिया में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ाने में पीएम मोदी की बड़ी भूमिका रही है। श्री शाह ने यह भी कहा कि 24 साल से बिना छुट्टी लिए लगातार देश सेवा करना उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी अब भारत में सबसे लंबे समय तक सरकार के प्रमुख रहने वाले नेता बन गए हैं। उन्होंने कहा कि मोदी का जीवन राष्ट्र और जनता के प्रति समर्पण का उदाहरण है। उन्होंने बताया कि पीएम मोदी ने सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चमलिंग के 8930 दिनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया है। वहीं कई भाजपा नेताओं ने अपने पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत का वैश्विक सम्मान बढ़ा है और 'विकसित भारत' का लक्ष्य एक जनआंदोलन बन चुका है। उन्होंने इस उपलब्धि को देश के लिए प्रेरणादायक बताया। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने एक्स पर अपने पोस्ट में लिखा कि प्रधानमंत्री मोदी का नेतृत्व, उनकी कार्यक्षमता और देश को आगे बढ़ाने का संकल्प सभी के लिए प्रेरणा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के रूप में उनका हर निर्णय और हर कदम 'राष्ट्र प्रथम' की भावना से प्रेरित रहा है। उन्होंने आगे लिखा कि मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से 'विकसित भारत' की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

सरकार की नीतियों में गरीब, युवा, महिला और किसान सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान दिया गया है।

विश्व जल दिवस पर जल संरक्षण का किया आह्वान

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व जल दिवस के अवसर पर नागरिकों से जल संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को नवीकृत करने का आग्रह किया और जीवन को बनाए रखने और ग्रह के भविष्य को आकार देने में जल की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया। एक्स पर पोस्ट किए गए अपने एक संदेश में, प्रधानमंत्री ने ज़िम्मेदार उपयोग और सामूहिक कार्रवाई के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जल हमारा जीवन है और हमारे ग्रह के भविष्य को आकार देता है।

मार्शल सांगा गिरफ्तार, अन्य दो फरार, पुलिस फरार आरोपियों की पतासाजी में जुटे

आमाघाट में 2 करोड से अधिक के अफीम पौधे किया जब्त

रायगढ़/मूक पत्रिका

तमनार क्षेत्र के ग्राम आमाघाट में अफीम की खेती मामले में तमनार पुलिस ने कल रात आरोपी मार्शल संगा निवासी खूंटी झारखण्ड हाल मुकाम ग्राम आमाघाट थाना तमनार के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है। साथ ही 60 हजार 326 अफीम के पौधे जब्त किया गया है। जब्त अफीम के पौधे की कीमत करीब 2 करोड़ 5 लाख 10 हजार रूपये बताई जा रही है।

मिली जानकारी के अनुसार 19-20 मार्च की रात्रि तमनार पुलिस को मुखबीर से सूचना मिली कि ग्राम आमाघाट खर्राघाट भैर नाला किनारे में स्थित भूमि पर मार्शल संगा निवासी ग्राम हड़म बनम थाना खूंटी जिला खूंटी झारखण्ड हाल मुकाम ग्राम आमाघाट थाना तमनार के द्वारा अवैध अफीम की खेती किया गया है। सूचना पर थाना प्रभारी तमनार निरीक्षक प्रशांत राव द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को मुखबीर सूचना से अवगत कराया गया। एसएसपी शशि मोहन सिंह द्वारा (एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स) को कार्यवाही हेतु निर्देशित कर थाना प्रभारी पूंजीपथरा, लैलूंगा को भी स्टाफ के साथ मौके पर रवाना किया गया, पुलिस टीम द्वारा कल को ही ग्राम आमाघाट जाकर रेड कार्यवाही किया गया, रेड कार्यवाही के दौरान खेत में काम करने वाले दो व्यक्ति मौके से फरार हो गये, एक व्यक्ति मिला जिससे नाम पता पूछने पर अपना नाम मार्शल संगा पिता मिखएल संगा उम्र 40 वर्ष निवासी ग्राम हड़म बनम थाना खूंटी जिला खूंटी झारखण्ड हाल मुकाम आमाघाट थाना तमनार जिला रायगढ़ का रहने वाला बताया, मौके पर दो खेतों में अफीम का फसल लगा हुआ मिला। मार्शल संगा से पूछताछ करने पर उसने बताया कि इस खेती के संबंध में उसके पास कोई वैध दस्तावेज नहीं है तथा उसके साथ जिला खूंटी झारखण्ड के रहने वाले 'इमानवेल भेंगरा व सीप्रियन भेंगरा' को अपने साथ लेकर आया था और उन लोगों के मदद से अवैध रूप से अफीम की खेती कर रहे थे। रेड कार्यवाही के पश्चात् मौके पर आबकारी के टीम, एफएसएल की टीम, कृषि विभाग की टीम एवं राजस्व विभाग की टीम को मौके पर उपस्थित हेतु बताने पर सभी अधिकारी कर्मचारी मौके पर उपस्थित आये, एफएसएल की टीम के द्वारा परीक्षण कर फसल के पौधे को अफीम होना बताया गया। पूछताछ के दौरान मार्शल संगा ने अपने मेमोरण्डम कथन में फसल से निकाले गये अफीम को छुपाकर अपने घर में रखना बताया, जिसके आधार पर उसके निवास (ससुराल) आमाघाट में जाकर चेक किया गया, तब इसके द्वारा एक पॉलिथीन में अफीम निकालकर पेश किया जिसका वजन 3.02 किलोग्राम (कीमत 15 लाख 10 हजार रूपये) होना पाया गया जिसे मामले में जप्त किया गया है। मामले के फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए मिलने के सभी सम्भावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

ड्रोन से रखी जा रही मादक खेती पर कड़ी नजर

जिले में अवैध मादक पदार्थों की खेती के विरुद्ध प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए आधुनिक तकनीक का प्रभावी उपयोग शुरू कर दिया है। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के निर्देशन में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) घरघोड़ा दुर्गा प्रसाद अधिकारी एवं सीएसपी मयंक मिश्रा के संयुक्त नेतृत्व में घरघोड़ा और तमनार क्षेत्र में वृहद ड्रोन सर्वे अभियान संचालित किया गया। इस संयुक्त कार्रवाई में राजस्व विभाग, पुलिस विभाग और कृषि विभाग की टीमों ने समन्वित रूप से काम करते हुए संदिग्ध क्षेत्रों की पहचान की और ड्रोन के माध्यम से खेतों की बारीकी से निगरानी की। इस आधुनिक तकनीक के जरिए दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों तक भी प्रशासन की पहुंच सुनिश्चित हुई, जिससे अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। ड्रोन सर्वे के साथ-साथ राजस्व विभाग के पटवारियों और कृषि विभाग के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों ने संबंधित गांवों में मौके पर पहुंचकर खेतों में उतरकर सघन निरीक्षण किया। इस दौरान घरघोड़ा तहसील के बैहामुडा, भेंगारी, पाकादरहा, पानीखेत तथा तमनार तहसील के आमापाली, राबो, गढ़गांव एवं हराडीह में व्यापक स्तर पर जांच-पड़ताल की गई। अभियान के दौरान अधिकारियों ने किसानों को जागरूक करते हुए स्पष्ट किया कि अवैध मादक पदार्थों की खेती कानूनन अपराध है और इसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही वैकल्पिक वैध फसलों को अपनाने के लिए भी प्रेरित किया गया। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) दुर्गा प्रसाद अधिकारी ने बताया कि जिले में अवैध मादक पदार्थों की खेती पर पूरी तरह रोक लगाने के उद्देश्य से यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। आने वाले समय में भी ड्रोन सर्वे के साथ सघन जांच और निगरानी की कार्रवाई तेज की जाएगी, ताकि किसी भी स्थिति में इस तरह की अवैध गतिविधियों को पनपने का अवसर न मिले। प्रशासन की इस पहल को क्षेत्र में कानून व्यवस्था सुदृढ़ करने और युवाओं को नशे के दुष्प्रभाव से बचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

ड्रोन से अवैध मादक खेती पर कड़ी नजर, घरघोड़ा - तमनार में चला वृहद अभियान

कलेक्टर के निर्देशन में संयुक्त टीम की कार्रवाई, गांव-गांव पहुंचकर किया सघन निरीक्षण

रायगढ़/मूक पत्रिका

रायगढ़ जिले में अवैध मादक पदार्थों की खेती के विरुद्ध प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए आधुनिक तकनीक का प्रभावी उपयोग शुरू कर दिया है। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के निर्देशन में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) घरघोड़ा दुर्गा प्रसाद अधिकारी एवं सीएसपी मयंक मिश्रा के संयुक्त नेतृत्व में घरघोड़ा और तमनार क्षेत्र में वृहद ड्रोन सर्वे अभियान संचालित किया गया। इस संयुक्त कार्रवाई में राजस्व विभाग, पुलिस विभाग और कृषि विभाग की टीमों ने समन्वित रूप से काम करते हुए संदिग्ध क्षेत्रों की पहचान की और ड्रोन के माध्यम से खेतों की बारीकी से निगरानी की। इस आधुनिक तकनीक के जरिए दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों तक भी प्रशासन की पहुंच सुनिश्चित हुई, जिससे अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। ड्रोन सर्वे के साथ-साथ राजस्व विभाग के पटवारियों और कृषि विभाग के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों ने संबंधित गांवों में मौके पर पहुंचकर खेतों में उतरकर सघन निरीक्षण किया। इस दौरान घरघोड़ा तहसील के बैहामुडा, भेंगारी, पाकादरहा, पानीखेत तथा तमनार तहसील के आमापाली, राबो, गढ़गांव एवं हराडीह में व्यापक स्तर पर जांच-पड़ताल की गई। अभियान के दौरान अधिकारियों ने किसानों को जागरूक करते हुए स्पष्ट किया कि अवैध मादक पदार्थों की खेती कानूनन अपराध है और इसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही वैकल्पिक वैध फसलों को अपनाने के लिए भी प्रेरित किया गया।

ट्रक के पहियों की चपेट में आने से युवक की मौत चंद्रपुर जाते समय बड़े भंडार के पास हुई घटना

रायगढ़/मूक पत्रिका

रायगढ़ जिले में शनिवार की शाम ट्रक के पहियों की चपेट में आने से एक युवक की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस मृतक के शव को अस्पताल भेजते हुए आगे की कार्रवाई में जुट गई है। मामला पुसौर थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार शनिवार की शाम तकरीबन 5 बजे के आसपास तेज रफ्तार बाईक सवार युवक सहानु राठिया निवासी दनौट, रायगढ़ से चंद्रपुर की तरफ जाते समय बड़े भंडार के पास स्थित अडानी कंपनी कोयला गेट के सामने ट्रक के पहियों के नीचे आ गया जिससे घटना स्थल पर ही उसकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि सहानु राठिया अपने पड़ोसी की मोटर सायकल मांगकर चंद्रपुर जाने के लिये निकला था इसी बीच यह घटना हो गई। बताया यह भी युवक शराब के नशे में था, परिजनों ने उसे जाने से मना किया था इसके बावजूद वह किसी की बात नही सुना और बाईक लेकर निकल गया था, इसी बीच ट्रक को ओवरटेक करते हुए अनबैलेंस होकर ट्रक के चक्का नीचे आ गया जिससे उसकी मौत हो गई। बहरहाल घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुसौर पुलिस मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिये अस्पताल भेजते हुए आगे की

फेसबुक से दोस्ती गांठने के बाद कहीं का नही छोड़ा, आरोपी गिरफ्तार व जेल दाखिल

रायगढ़/मूक पत्रिका

महिला थाना रायगढ़ में स्थानीय युवती द्वारा दर्ज कराई गई रिपोर्ट पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाले आरोपी के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़िता ने 20 मार्च को महिला थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई कि वर्ष 2021 में उसकी पहचान फेसबुक के माध्यम से रामभाठा निवासी प्रतीक सिदार से हुई थी। बातचीत के दौरान दोनों के बीच दोस्ती हुई और आरोपी द्वारा शादी का आश्वासन देकर पीड़िता के साथ लगातार संपर्क बनाए रखा गया। पीड़िता के अनुसार 04 मार्च 2024 से जनवरी 2026 के बीच आरोपी ने विभिन्न स्थानों पर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। बाद में जब पीड़िता ने आरोपी से शादी करने की बात कही, तो आरोपी ने शादी से साफ इनकार कर दिया। पीड़िता की रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान पीड़िता का कथन लिया गया तथा मेडिकल परीक्षण कराया गया। प्रकरण में त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने आरोपी प्रतीक सिदार पिता परशुराम सिदार उम्र 26 वर्ष निवासी रामभाठा, ज्वाहर नगर, थाना सिटी कोतवाली जिला रायगढ़ को उसके निवास से हिरासत में लेकर थाना लाया गया।

ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन की सराहनीय पहल, 'हर बच्चे तक तालीम पहुंचे, यही हमारी कोशिश : मोहम्मद अलीम'

मुंगेली/मूक पत्रिका

मुकद्दस माह-ए-रमज़ान के इख्तिताम के बाद ईद-उल-फितर का त्योहार जिलेभर में अकीदत, इत्तेहाद और खुशियों के साथ मनाया गया। इस मुबारक मौके पर ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन ने समाज को एक बेमिसाल और मायनेखेज पैगाम देते हुए बच्चों में कलम की ईदी तकसीम की, जो लोगों के दिलों को छू गई। फाउंडेशन के प्रदेश अध्यक्ष जनाब मोहम्मद सिराज के हिदायात पर, जिला अध्यक्ष जनाब मोहम्मद अलीम की कियादत में ईदगाह मैदान में नमाज़-ए-ईद की अदायगी के बाद नौनिहालों के दरमियान कलम बांटी गई। इस पहल का मकसद सिर्फ ईदी देना नहीं, बल्कि बच्चों के अंदर तालीम के प्रति शौक और जागरूकता पैदा करना था। जहां आमतौर पर ईद के मौके पर बच्चों को पैसे या तोहफे दिए जाते हैं, वहीं कलम की ईदी ने इस परंपरा को एक नई दिशा दी। यह कदम इस बात का प्रतीक बना कि असली दौलत इल्म है, जो इंसान को कामयाबी और समाज को तरक्की की राह दिखाती है। तकरीब के दौरान बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला। कलम हासिल करते ही उनके चेहरों पर खुशी और एक नई उम्मीद की झलक साफ नजर आई। फाउंडेशन के जिम्मेदारान ने इस मौके पर बच्चों और उनके वालिदैन को तालीम की अहमियत से रूबरू कराया और उन्हें बेहतर मुस्तकबिल के लिए तैयार होने की नसीहत दी। जिला अध्यक्ष मोहम्मद अलीम ने अपने खिताब में कहा कि, अगर हमें अपने समाज को मजबूत और तरक्की याफ्ता बनाना है, तो हमें तालीम को अपना सबसे बड़ा हथियार बनाना होगा। उन्होंने वालिदैन से गुजारिश की कि वे अपने बच्चों की पढ़ाई में कोई कमी न आने दें और उन्हें आगे बढ़ने के लिए हमेशा हौसला अफजाई करें। इस मौके पर फाउंडेशन के जिला सचिव नईम खान, अख्तर अली, आवेज खान, हैदर अली, सलमान मिर्ज़ा, मुकीम खान और अन्य अरकान और शहर के मुअज्जिज अफराद भी मौजूद रहे, जिन्होंने इस पहल को खूब सराहा और इसे समाज में तालीमी बेदारी लाने की एक अहम कोशिश बताया। ईद के इस मुबारक मौके पर कलम की ईदी की यह पहल न सिर्फ एक अनोखी मिसाल बनकर उभरी, बल्कि यह पैगाम भी दे गई कि खुशियों का असली मायना वही है, जो इल्म के जरिए समाज को रोशन करे।

भगवती मानव कल्याण संगठन जिला इकाई के द्वारा अखंड श्री दुर्गा चालीसा पाठ का आयोजन बी.आर साव स्कूल ग्राउंड में सम्पन्न हुआ

मुंगेली/मूक पत्रिका

भगवती मानव कल्याण संगठन मुंगेली जिला इकाई के द्वारा 24 घण्टे के अखंड श्री दुर्गा चालीसा पाठ का आयोजन बी.आर साव स्कूल ग्राउंड में सम्पन्न हुआ। 21 मार्च सुबह 11 बजे से लेकर 22 मार्च दोपहर 12 बजे तक कार्यक्रम आयोजित हुआ। सर्वप्रथम माँ गुरुवर के जयकारे लगाए गए जिसके बाद दिव्य आरती क्रम सम्पन्न किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित भगवती मानव कल्याण संगठन की केंद्रीय महासचिव अजय अवस्थी ने कहा कि आज समाज के उत्थान के लिए आज के समय मे आध्यात्मिक माहौल बनाना आवश्यक है। आज के अशांत जीवन जी रहे लोगो को धर्म के पथ पर बढ़ाना बेहद आवश्यक है तभी लोगो का जीवन सार्थक हो पायेगा। वर्तमान समय में नशामुक्त समाज का निर्माण करना बेहद आवश्यक है। छत्तीसगढ़ का कोना कोना आज नशे की चपेट में है। हर शहर,हर गांव, हर तहसील आज नशे के कारण अशांति की ओर बढ़ रहा है जिसको रोकने के लिए भगवती मानव कल्याण संगठन डोर टू डोर कार्य कर रही है। 1 घण्टे के आरती क्रम, 5 घण्टे का अखंड श्री दुर्गा चालीसा पाठ,24 घंटे का अखंड श्री दुर्गा चालीसा पाठ के माध्यम से कार्यकर्ता गांव-गांव और शहर शहर जाकर लोगो को नशामुक्त कर रहे है। संगठन के केंद्रीय कार्यालय पंचज्योति शक्तितीर्थ सिद्धाश्रम धाम में यही चालीसा पाठ पिछले 30 साल से जनकल्याण के लिए चल रहा है। जिसका प्रताप है उसी के कारण आज लोग आध्यात्मिक जीवन जीने के लिए प्रेरित हो रहे है। इस चालीसा पाठ में शामिल होना कहीं कहीं योग होगा जिसके कारण आज आप सभी बड़ी संख्या में माँ का गुणगान करने यहां उपस्थित हुए है।

श्री अवस्थी जी ने कहा कि हमारे हर कर्म का दंड हमे भोगना पड़ता है इसलिए हमें गलत कार्यो को त्याग देना चाहिए। आज आपने किसी को अपशब्द कहा तो निश्चित यह विधान है कल कोई आपको अपशब्द कहने के लिए देने के लिए तैयार रहेगा। इसलिए हमें सदविचारों की ओर आगे बढ़ना होगा। यह मुंगेली शहर सौभाग्यशाली है जहां हजारों की संख्या में उपस्थित साधको की उपस्थिति हुई है अतः वह दिन निश्चित हो गया है कि इस शहर के घर-घर में माँ का ध्वज लहराएगा। आगे उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार से आग्रह है कि प्रदेश में शराब के सरकारी ठेके देना बंद करे। नशा मुक्ति मांसाहार मुक्त चरित्रवान चेतनावन समाज के निर्माण के लिए उन्होंने भगवती मानव कल्याण संगठन के विचारधारा से जुड़ने का सभी का आवाहन किया। इस कार्यक्रम में संगठन की प्रदेश पदाधिकारी जिला पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे।

रासायनिक उर्वरकों का कम उपयोग और प्राकृतिक व जैविक खेती को कर रहें प्रोत्साहित

सफलता की कहानी : बी फार्मेसी पढ़े युवा रमेश प्रेमी ने खेती में तलाशी स्वरोजगार

आधुनिक खेती पद्धति, ड्रिप सिंचाई से सब्जी उत्पादन में मिली बड़ी सफलता

5 एकड़ खेती से कमाई के साथ 10 ग्रामीण महिलाओं को दिया रोजगार, युवाओं को खेती अपनाने का संदेश

समय समय पर कृषि और उद्यानिकी विभाग देते हैं सहयोग और मार्गदर्शन

सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका

जिले के बिलाईगढ़ विकासखंड के ग्राम जमगहन के युवा किसान रमेश प्रेमी आज आधुनिक और जैविक खेती के माध्यम से एक सफल किसान के रूप में पहचान बना चुके हैं। अपनी मेहनत, नई तकनीक और जैविक पद्धति से खेती करके आज एक मिसाल कायम की है। वर्तमान में वे लगभग 5 एकड़ भूमि में खेती कर रहे हैं और आय से खेती को और अधिक उन्नत करने का प्रयास कर रहे हैं। रमेश प्रेमी मुख्य रूप से सब्जी की खेती करते हैं। उनकी प्रमुख फसलें खीरा, लौकी, करेला, टमाटर और बैंगन हैं। इनमें भी वे सबसे अधिक करेला की खेती करते हैं, जिससे उन्हें अच्छा उत्पादन और मुनाफा मिलता है। इसके अलावा वे इंटरक्रॉपिंग पद्धति भी अपनाते हैं, जिसमें चना (बूट), प्याज, अदरक और हल्दी की खेती भी करते हैं। इससे उनकी जमीन का बेहतर उपयोग होता है और आय के अतिरिक्त स्रोत भी बनते हैं। रमेश प्रेमी की खेती की सबसे खास बात यह है कि वे जैविक खेती को अधिक प्राथमिकता देते हैं। वे रासायनिक उर्वरकों का कम उपयोग करते हैं और प्राकृतिक व जैविक तरीकों से खेती करते हैं। इससे मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है और उत्पादन भी अच्छा मिलता है। इसके साथ ही उन्होंने अपनी खेती में ड्रिप इरिगेशन (ड्रिप सिस्टम) जैसी आधुनिक तकनीक को अपनाया है। इस तकनीक से पानी की बचत होती है और पौधों को सही मात्रा में पानी और पोषक तत्व मिलते हैं, जिससे उत्पादन की गुणवत्ता और मात्रा दोनों बेहतर होती हैं। रमेश प्रेमी को खेती में बिलाईगढ़ कृषि और उद्यानिकी विभाग से भी समय-समय पर सहयोग और मार्गदर्शन मिलता है। नई तकनीक और आधुनिक उपकरणों का उपयोग कर वे अपनी खेती को और अधिक उन्नत बना रहे हैं। उनकी खेती से न सिर्फ उन्हें आर्थिक लाभ मिल रहा है, बल्कि वे गांव में 10 ग्रामीण महिलाओं को पूरे साल रोजगार भी दे रहे हैं। इससे ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक स्थिति भी मजबूत हो रही है और गांव में रोजगार के अवसर भी बढ़ रहे हैं।

उन्नत किसान रमेश प्रेमी की खेती और सफलता

युवा किसान रमेश प्रेमी ने बीफार्मेसी की पढ़ाई की है। पढ़ाई पूरी करने के बाद कुछ समय तक उन्होंने मेडिकल और हॉस्पिटल क्षेत्र में भी काम किया, लेकिन वर्ष 2016 से उन्होंने खेती को अपना मुख्य व्यवसाय बनाने का निर्णय लिया। कोरोना काल के बाद उन्होंने पूरी तरह से हॉस्पिटल का काम छोड़कर खेती में ही अपना पूरा समय देना शुरू कर दिया है। पढ़ाई से मेडिकल क्षेत्र से जुड़े होने के बावजूद उन्होंने खेती को अपना कर यह साबित कर दिया कि यदि खेती वैज्ञानिक और नई तकनीकों के साथ की जाए तो यह किसी भी नौकरी से कम नहीं है।

शुरुआत में लोगों को यह फैसला थोड़ा अटपटा लगा। रमेश प्रेमी बताते हैं कि

÷मैंने मेडिकल फील्ड की पढ़ाई की है, लेकिन मुझे लगा कि खेती में ज्यादा संभावनाएं हैं। कई किसान बिना पढ़ाई के भी अच्छी खेती कर रहे हैं, इसलिए मैंने सोचा कि अगर मैं पढ़ाई और नई तकनीक के साथ खेती करूं तो इससे बेहतर परिणाम मिल सकते हैं। आज उसका परिणाम सामने है। ÷वे आगे युवाओं को संदेश देते हुए कहते हैं कि जैविक खेती और सब्जी उत्पादन के माध्यम से किसान अच्छी आय अर्जित कर सकते हैं। यदि युवा आधुनिक तकनीक, मेहनत और सही मार्गदर्शन के साथ खेती करें तो यह एक सफल और सम्मानजनक व्यवसाय बन सकता है। खेती को यदि वैज्ञानिक तरीके से किया जाए तो यह एक बहुत अच्छा व्यवसाय बन सकता है। वे कहते हैं कि आज के समय में युवा वर्ग केवल नौकरी के पीछे भाग रहा है, जबकि खेती में भी अपार संभावनाएं हैं। आज ग्राम जमगहन के युवा किसान रमेश प्रेमी अपनी मेहनत और नवाचार से न सिर्फ खुद सफल हो रहे हैं, बल्कि आसपास के किसानों और युवाओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन गए हैं। उनकी सफलता यह बताती है कि खेती में नई सोच और तकनीक के साथ काम किया जाए तो गांव में रहकर भी बेहतर भविष्य बनाया जा सकता है।

महिलाओं के हाथों में हुनर की नई ताकत : समर्थ योजना से सिवनी में बुनकरों की नई पहचान

चांपा/मूक पत्रिका

ग्राम सिवनी में प्रधानमंत्री समर्थ योजना के अंतर्गत आयोजित रेशम हाथकरघा बुनकर प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। केंद्रीय रेशम बोर्ड एवं वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार के मार्गदर्शन में आयोजित यह प्रशिक्षण कुल 270 घंटे (34 दिवस) चला, जिसमें 30 महिलाओं ने भाग लेकर बुनकरी का हुनर सीखा और आत्मनिर्भरता की दिशा में मजबूत कदम बढ़ाया। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षक रामाधार देवांगन एवं सहायक प्रशिक्षक चमराराम देवांगन ने प्रतिभागियों को कपड़ा बुनाई, दरी निर्माण सहित बुनकरी के विभिन्न तकनीकी पहलुओं की व्यावहारिक जानकारी दी। प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं ने बताया कि यह योजना उनके लिए सुनहरा अवसर साबित हुई है, जिससे वे अब घर बैठे रोजगार कर सकेंगी और अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बना पाएंगी। समापन अवसर पर परिवार परामर्शदात्री समिति जांजगीर की सदस्य श्रीमती तान्या अनुरागी पाण्डेय, भारतीय हथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान, चांपा की सदस्य इंजी. मंजूषा पाटले, भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्रीमती उमा सोनी, बलौदा जनपद पंचायत की पूर्व उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता नामदेव, तसर अनुसंधान सिवनी के अधिकारी राजेंद्र पुरोहित एवं अरविंद शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने सरकार की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रामीण महिलाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराते हैं और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाते हैं। इस अवसर पर इंजी. मंजूषा पाटले ने भारतीय हथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान में अधिक से अधिक प्रवेश लेने की अपील करते हुए कहा कि हथकरघा बुनकर कारीगरी को तकनीकी शिक्षा से जोड़कर इसे नई गति दी जा सकती है, जिससे यह क्षेत्र व्यापक स्तर पर विकसित होगा और युवाओं के लिए नए अवसर सृजित होंगे। कार्यक्रम में उषा यादव, शर्मिला गोस्वामी, पुष्पा महंत, गौरी नामदेव, बद्रिका यादव, धनकुंवर बरेठ, रुकमणी पांडेय, अंजनी यादव, दुर्गा बरेठ, सीमा महंत, शिव कुमारी, सुलोचनी महंत, प्रियंका धीवर, कविता बरेठ, सरिता बरेठ, रानू जायसवाल सहित बड़ी संख्या में महिलाएं एवं निखिल वैष्णव उपस्थित रहे।

बस्तर से दिल्ली तक गूंजा युवा हुंकार - NSUI के परवेश (PK) ने टीम संग संसद घेराव में दिखाई ताकत

बस्तर/मूक पत्रिका

NSUI छात्र संगठन के युवा उभरते नेता परवेश (उर्फ PK) ने अपनी टीम के साथ देश की राजधानी नई दिल्ली में आयोजित संसद घेराव कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी निभाई। इस अवसर पर, जगदलपुर यूनिवर्सिटी अध्यक्ष पंकज कुमार केवट के नेतृत्व में आयोजित युवा कांग्रेस के ÷हल्ला बोल÷ कार्यक्रम में भी उन्होंने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान युवाओं ने जोश और उत्साह के साथ नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में उपस्थित NSUI के प्रदेश उपाध्यक्ष आदित्य सिंह बीसेन ने बस्तर जिले के युवा कार्यकर्ताओं को एकजुट करने का संकल्प लिया। उनके विचारों और व्यवहार से प्रभावित होकर अनेक युवा नेताओं ने संगठन को मजबूत करने का भरोसा दिलाया। इस दौरान सभी कार्यकर्ताओं ने यह भी संकल्प लिया कि आने वाले समय में वे हर घर, हर गली तक पहुंचकर भाजपा सरकार के कार्यकाल में हुए कथित भ्रष्टाचार को उजागर करेंगे। युवा नेता परवेश (उर्फ PK) ने कहा कि वे संगठन के हर कार्य को पूरी जिम्मेदारी और निष्ठा के साथ निभाएंगे। उन्होंने बताया कि वे एक जमीनी स्तर के कार्यकर्ता हैं, जिन्होंने गांव से निकलकर छात्र राजनीति में अपनी पहचान बनाई है। युवाओं के बीच उनकी मजबूत पकड़ है और वे अपने सरल स्वभाव एवं बड़ों के सम्मान के लिए जाने जाते हैं। महज 23 वर्ष की आयु में परवेश (PK) ने बस्तर संभाग में अपनी अलग पहचान बना ली है और वे यूनिवर्सिटी अध्यक्ष पंकज कुमार केवट , कुनाल पटेल , भुवनेश्वर कश्यप, शंकर मौर्य, युवा कांग्रेस नानगुर ब्लॉक अध्यक्ष प्रदीप ये साथ अन्य सदस्य शामली थे केवट के करीबी माने जाते हैं। वे कांग्रेस पार्टी के प्रत्येक कार्यक्रम में अपनी टीम के साथ सक्रिय रूप से उपस्थित रहते हैं।

चैत्र नवरात्रि पर चांपा में भव्य जागरण कार्यक्रम का आयोजन

चांपा/मूक पत्रिका

चैत्र नवरात्रि के पावन पर्व के अवसर पर नगर के मां बम्लेश्वरी मंदिर प्रांगण, धोबी पारा, चांपा में भव्य जागरण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन समिति के अनुसार यह धार्मिक कार्यक्रम 25 मार्च 2026, बुधवार को रात्रि 9 बजे से प्रारंभ होगा। इस अवसर पर मां भगवती की आराधना के लिए भक्तिमय वातावरण में जागरण का आयोजन किया जाएगा, जिसमें मनमोहक झांकियां, विशेष रूप से पटेल जी का रंगारंग कार्यक्रम श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र रहेगा। कार्यक्रम में लोककला सरगम जागरण म्यूजिकल ग्रुप, चांपा द्वारा भक्तिमय संगीत से भरपूर शानदार

प्रस्तुति दी जाएगी। आयोजकों ने बताया कि जागरण कार्यक्रम के माध्यम से नवरात्रि के महत्व को जन-जन तक पहुंचाने और मां दुर्गा की भक्ति में श्रद्धालुओं को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। आयोजन समिति ने समस्त नगरवासियों एवं श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर जागरण कार्यक्रम में सहभागिता निभाने की अपील की है। साथ ही सभी श्रद्धालुओं को सपरिवार आमंत्रित किया गया है।

ई-चालान व्यवस्था लागू: 1 अप्रैल 2026 से भौतिक चालान पूरी तरह बंद, OTC सुविधा से ही जमा होगी राशि

बेमेतरा/मूक पत्रिका

राज्य शासन के निर्देशानुसार 1 अप्रैल 2026 से भौतिक चालानों का प्रचलन पूरी तरह समाप्त किया जा रहा है। इसके स्थान पर अब सभी विभागों में केवल ऑनलाइन माध्यम से ही चालान जमा किए जाएंगे। इसी को सरल और व्यवस्थित बनाने के लिए ओटीसी (ओवर द काउंटर) सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इस संबंध में जिला कोषालय बेमेतरा द्वारा सभी विभाग प्रमुखों को आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। जिला कोषालय द्वारा जारी निर्देश के अनुसार सभी विभागाध्यक्ष अपने अधीनस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित करेंगे कि अब चालान केवल ओटीसी

(ओवर द काउंटर) के माध्यम से ही जनरेट किए जाएं। साथ ही कार्यालय में आने वाले आम नागरिकों को भी इस नई व्यवस्था की जानकारी देने के लिए कहा गया है, ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो। नई व्यवस्था के तहत ई-चालान पोर्टल पर चालान भरते समय उसका डेटा सीधे बैंक को ऑनलाइन ट्रांसफर हो जाएगा। इससे बैंक स्तर पर दोबारा डेटा एंट्री करने की आवश्यकता नहीं रहेगी और समय की बचत होगी। बैंक काउंटर पर अब केवल ऑनलाइन जनरेट किया गया चालान, जिसमें ट्रेज़री रिफ्रेन्स नंबर (टीआरएन) दर्ज होगा, उसी के आधार पर राशि जमा की जाएगी। इसके बाद बैंक द्वारा संबंधित जानकारी एमआईएस के माध्यम से कोषालय को ऑनलाइन भेज दी जाएगी। जिला कोषालय बेमेतरा के अनुसार इस नई व्यवस्था से डेटा एंट्री में होने वाली त्रुटियों में कमी आएगी तथा लेखांकन कार्य अधिक पारदर्शी और सटीक होगा। साथ ही जमाकर्ता ई-चालान पोर्टल के ÷सर्च चालान÷ विकल्प के माध्यम से अपने चालान का प्रिंट भी आसानी से निकाल सकेंगे, जो पहले भौतिक चालान में संभव नहीं था। बेमेतरा जिला कोषालय कार्यालय ने सभी विभागों से अपील की है कि वे कर्मचारियों एवं आमजनों को इस नई ऑनलाइन व्यवस्था के बारे में अवगत कराएं और यदि किसी को प्रक्रिया में समस्या आती है तो सीधे जिला कोषालय बेमेतरा से संपर्क कर सकते हैं।

मार्शल आर्ट प्रतियोगिता में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

बेमेतरा/मूक पत्रिका

शहर में आयोजित मार्शल आर्ट प्रतियोगिता के सम्मान समारोह में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में व्हाइट, येलो एवं ब्लू बेल्ट प्राप्त करने वाले छात्रों को प्रमाण पत्र और मेडल देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। समारोह के दौरान आयोजकों ने कहा कि मार्शल आर्ट केवल आत्मरक्षा का साधन नहीं है, बल्कि यह अनुशासन, आत्मविश्वास और मानसिक संतुलन को भी सुदृढ़ करता है। उन्होंने विद्यार्थियों को

नियमित अभ्यास और समर्पण के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। प्रशिक्षकों ने छात्रों की मेहनत, लगन और प्रदर्शन की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर उपस्थित अभिभावकों एवं गणमान्य नागरिकों ने भी बच्चों की उपलब्धियों पर खुशी व्यक्त करते हुए उनका उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिभागियों के उत्साहवर्धन और धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

उल्लास महा परीक्षा का सफल संचालन खंड शिक्षा अधिकारी ने किया अवलोकन

बस्तर/मूक पत्रिका

बस्तर विकासखंड के माध्यमिक शाला मुंडकटियापारा, संकुल खड़का मधोता में आयोजित उल्लास महा परीक्षा का खंड शिक्षा अधिकारी श्रीमती भारती देवांगन ने अवलोकन किया। उन्होंने परीक्षा केंद्र का दौरा कर परीक्षा व्यवस्था, प्रश्नपत्र वितरण और परीक्षार्थियों की उपस्थिति की जांच की। इस दौरान उन्होंने परीक्षार्थियों से भी बातचीत की और उन्हें परीक्षा के दौरान निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से परीक्षा देने के लिए प्रेरित किया। उल्लास महा परीक्षा में महिला परीक्षार्थी 2837 एवं पुरुष परीक्षार्थी 1441 बस्तर विकास खंड में कुल 4278 परीक्षार्थी शामिल हुए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परीक्षा व्यवस्था का सूक्ष्म निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा का उद्देश्य छात्रों की शैक्षिक गुणवत्ता का मूल्यांकन करना है, इसलिए सभी परीक्षार्थियों को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से परीक्षा देनी चाहिए। इस अवसर पर सरपंच कुंडगुड़ा श्री ईस्पर मंडावी, मंडल अध्यक्ष श्री सुखदेव मंडावी, संकुल समन्वयक श्री कृष्णा सिंह ठाकुर सहित विद्यालय स्टाफ- श्री लोकेश्वर यदू, श्री राजेंद्र सिंह, श्री हरदेव कश्यप एवं संकुल से जुड़े अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे। सभी के सहयोग से परीक्षा का संचालन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

आत्मसमर्पित 85 माओवादियों ने दी बुनियादी साक्षरता परीक्षा

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार - जिले में आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटे माओवादी कैडरों को शिक्षित और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में चल रहे प्रयासों के तहत 85 आत्मसमर्पित माओवादियों ने रविवार को 'बुनियादी साक्षरता' परीक्षा दी। यह परीक्षा 'उल्लास-नव भारत साक्षरता कार्यक्रम' के अंतर्गत आयोजित की गई, जिसका उद्देश्य औपचारिक शिक्षा से वंचित लोगों को पढ़ना-लिखना सिखाकर साक्षर बनाना है।अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रविंद्र कुमार मीणा आज बताया कि जिला पुलिस और प्रशासन की पहल पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप संचालित इस कार्यक्रम के माध्यम से उन माओवादियों को बुनियादी शिक्षा दी जा रही है, जिन्होंने अपने जीवन में कभी औपचारिक स्कूली शिक्षा प्राप्त नहीं

की थी। प्रशिक्षण के बाद रविवार को 85 आत्मसमर्पित कैडरों ने साक्षरता परीक्षा में भाग लिया। इससे पहले भी 272 सरेंडर कर चुके नक्सल कैडर्स यह प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर चुके हैं और अब वे साक्षर होकर एक सामान्य नागरिक की तरह जीवन यापन कर रहे हैं। इन सभी को छत्तीसगढ़ शासन की 'नक्सल आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति' के तहत मिलने वाली सहायता, रोजगार मूलक प्रशिक्षण और पुनर्वास के लाभ दिए जा रहे हैं। पुलिस प्रशासन का मुख्य उद्देश्य भटके हुए युवाओं को हिंसा के मार्ग से हटाकर शिक्षा के माध्यम से उनके हाथों में कलम देना है। बीजापुर पुलिस जिले में सक्रिय माओवादियों से लगातार अपील कर रही है कि वे हिंसा का रास्ता छोड़कर आत्मसमर्पण करें और शासन की पुनर्वास नीति का लाभ उठाकर शांतिपूर्ण जीवन की शुरुआत करें।

कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने आपदा से पीड़ित परिवारों के लिए की सहायता राशि स्वीकृत

कोविड-19, सर्पदंश और पानी में डूबने से हुए मौत पर आश्रितों को मिलेगा आर्थिक सहायता

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने कोविड 19 के मृतक ललित राम निवासी ग्राम सिरोली तहसील सारंगढ़ की पत्नी घसनीन बाई के लिए 50 हजार रूपये, सर्पदंश से मृत्यु होने पर तहसील भटगांव के ग्राम बेलाडुला निवासी मृतिका शान्तिबाई यादव के पति प्रेमलाल यादव और ग्राम गिरसा के मृतक दरश के पिता परदेशी निषाद, पानी में डूबकर हुए मौत पर सरिया तहसील के ग्राम जलगढ़ के मृतक रामलाल चौहान की पत्नी सिया चौहान, सारंगढ़ तहसील के नवापारा वार्ड 14 के मृतक दरसूराम जांगड़े की पत्नी मंगली, ग्राम गोड़ीहारी निवासी बंशी पटेल की माता ननकीनोनी, ग्राम अमझर के मृतक दिव्यांशु जायसवाल के पिता प्रकाश जायसवाल को सयुंक्त रूप से राजस्व पुस्तक परिपत्र खंड 6 (4) के तहत 4 लाख रूपये की स्वीकृति दी है, जिसका भुगतान ऑनलाइन माध्यम से उनके बैंक खाते में डायरेक्ट किया जाएगा।

जनपद पंचायत जैजैपुर की पहल 31 बोर खनन एवं सिंटेक्स पानी टंकी निर्माण कि मिली मंजूरी।

जैजैपुर ब्लॉक के विभिन्न ग्राम पंचायतों के लिए 60 लाख रुपये स्वीकृत, पानी की समस्या होगी दूर

सक्ती/ जैजैपुर/मूक पत्रिका

क्षेत्र में पेयजल समस्या के समाधान की दिशा में एक बड़ी पहल करते हुए जनपद अध्यक्ष पुष्पा परदेशी खुंटे, उपाध्यक्ष सीताराम चंद्रा एवं जनपद सदस्यों की अनुशंसा पर जैजैपुर विकासखंड के विभिन्न ग्राम पंचायतों के लिए जनपद स्तरीय 15 वे वित्त एवं जनपद विकास निधि 2025 -26 अंतर्गत लगभग 60 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इस राशि से 31 से अधिक स्थानों पर बोर खनन, पंप स्थापना एवं पानी टंकी निर्माण जैसे कार्य कराए जाएंगे, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संकट से राहत मिलने की उम्मीद है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम पंचायत आमाकोनी में बोर खनन एवं पानी टंकी निर्माण के लिए 2 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। ग्राम पंचायत बरदुली में हैंडपंप खनन एवं स्थापना हेतु 1.50 लाख रुपये तथा ग्राम पंचायत ठठारी में हैंडपंप खनन एवं स्थापना के लिए 1.20 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है। इसी तरह ग्राम

पंचायत सेंदरी में बोर खनन, पंप स्थापना एवं पानी टंकी निर्माण के लिए 2.30 लाख रुपये स्वीकृत हुए हैं। ग्राम पंचायत ठठारी में ही बोर खनन एवं पंप स्थापना के लिए 2.50 लाख रुपये तथा पंप एवं सिंटेक्स स्थापना के लिए 1.50 लाख रुपये की राशि प्रदान की गई है। ग्राम पंचायत अरसिया में पंप एवं सिंटेक्स स्थापना के लिए क्रमशः 1.20 लाख रुपये, 1.10 लाख रुपये एवं पुनः 1.20 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। डोंगरी भांठा ओडेकरा में बोर खनन एवं पंप स्थापना हेतु 1.50 लाख रुपये तथा ग्राम पंचायत धमनी में पंप एवं सिंटेक्स स्थापना के लिए 1 लाख रुपये स्वीकृत हुए हैं।

ग्राम पंचायत अकलसरा में बोर खनन, पंप स्थापना एवं पानी टंकी निर्माण के लिए 2.50 लाख रुपये एवं बोर खनन एवं पंप स्थापना के लिए 1 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। ग्राम पंचायत झालरौंदा में 2 नग बोर खनन, पंप स्थापना एवं पानी टंकी निर्माण के लिए 5 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। वहीं ग्राम पंचायत सेंदुरस में 3 नग बोर खनन, पंप स्थापना एवं पानी टंकी निर्माण के लिए 6.91 लाख रुपये तथा ग्राम पंचायत भोथिडीह में पानी टंकी निर्माण एवं पाइपलाइन विस्तार कार्य हेतु 6 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम पंचायत भोथिडीह में भूखाऊ घर के पास पिपर भावर में बोर खनन के लिए 2 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। ग्राम पंचायत गलगलाडीह में धनीराम के घर के पास बोर खनन हेतु 1.50 लाख रुपये तथा ग्राम पंचायत नगारीडीह में मरघटी तालाब के पास बोर खनन के लिए 2 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। इसी तरह ग्राम पंचायत सलनी में खेमलाल के घर के पास बोर खनन एवं पंप स्थापना के लिए 2 लाख रुपये तथा ग्राम पंचायत झालरौंदा में बजरंग नायक के घर के पास बोर खनन एवं स्थापना के लिए 2 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। ग्राम पंचायत मल्दा के गुड़ी चौक एवं गौटिया पारा में पंप एवं सिंटेक्स स्थापना के लिए 2 लाख रुपये स्वीकृत हुए हैं। वहीं ग्राम पंचायत ठूठी में 2 नग पंप स्थापना एवं 1 हैंडपंप स्थापना के लिए 2 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। ग्राम पंचायत परसाडीह में बाजार के पास बोर खनन एवं सिंटेक्स स्थापना हेतु 2 लाख रुपये, ग्राम पंचायत किकिरदा में ठाकुर देव चौक एवं आदित्य मोहल्ला सामुदायिक भवन के पास पंप एवं सिंटेक्स स्थापना के लिए 2 लाख रुपये तथा ग्राम पंचायत खम्हरिया में वार्ड क्रमांक 2, रामकृष्ण साहू के घर के पास बोर खनन एवं सिंटेक्स स्थापना के लिए 2 लाख रुपये स्वीकृत हुए हैं। इसके अतिरिक्त ग्राम पंचायत घिवरा में डोगरी दाई के पास पंप एवं सिंटेक्स स्थापना हेतु 2 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। जनपद अध्यक्ष पुष्पा परदेशी खुंटे ने कहा कि इसमें जनपद विकास निधि अंतर्गत स्वीकृत कार्यो के लिए प्रथम क़िस्त की राशि ग्राम पंचायतों को जारी हो चुका है वही जनपद 15 वे वित्त की राशि ग्राम पंचायतों को जारी की जा रही। क्षेत्र में पेयजल समस्या के निराकरण के लिए विभिन्न ग्राम पंचायतों में बोर खनन, पंप स्थापना एवं सिंटेक्स टंकी निर्माण के लिए लाखों रुपये के कार्य स्वीकृत किए गए हैं। इन कार्यों के पूर्ण होने से ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होगा और पानी की समस्या से राहत मिलेगी।

इन सभी कार्यों के पूर्ण होने के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की उपलब्धता बेहतर होगी और आमजन को राहत मिलेगी। इस पहल से क्षेत्र के ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने में बड़ी मदद मिलेगी और लंबे समय से चली आ रही पानी की समस्या का समाधान संभव हो सकेगा।

संपादकीय

ईरान ने पलट दिया अमेरिका का खेल, होर्मुज पर गिड़गिड़ा रहे पीड़ित देश

ईरान के खिलाफ ऑपरेशन एपिक फ्यूरी लॉन्च करने के बाद से अभी तक अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप दर्जनों बार दोहरा चुके हैं कि यह जंग उन्होंने करीब जीत ही ली है और तेहरान बातचीत के लिए गिड़गिड़ा रहा है। हालांकि दो हफ्ते से ज्यादा वक्त बाद भी जो जमीनी हकीकत है, वह बताती है कि ईरान की क्षमताओं को आंकने में अमेरिका-इस्राइल से चूक हो गई। यह बात ट्रंप की उन अपीलों से भी जाहिर हो रही है, जो उन्होंने होर्मुज स्ट्रेट को लेकर की हैं।ट्रंप चाहते हैं कि नैटो और दूसरे देश भी होर्मुज स्ट्रेट को खुलवाने के लिए आगे आएं। उन्होंने जापान, दक्षिण कोरिया, चीन, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और फ्रांस का नाम लिया है। हालांकि किसी भी देश ने इसमें दिलचस्पी नहीं दिखाई। ऑस्ट्रेलिया ने तो साफ तौर पर इनकार कर दिया है, जबकि जापान ने कानूनों का हवाला दिया है। इस बेरुखी पर ट्रंप ने नैटो को धमकी दी है, तो पेइचिंग को याद दिलाया है कि होर्मुज स्ट्रेट से होकर उसका '90 प्रतिशत तेल' जाता है, और उनकी चीन यात्रा टल भी सकती है। दुनिया दबाव की यह रणनीति टैरिफ वॉर में भी देख चुकी है। दूसरों को इस लड़ाई में खींचने की बेताबी बताती है कि ट्रंप फंसा महसूस कर रहे हैं। अमेरिका और इस्राइल ने ईरान के खिलाफ एकतरफा युद्ध तब शुरू किया, जब समझौते को लेकर बातचीत चल रही थी और माना जा रहा था कि इस बार कोई रास्ता निकल सकता है। इस एकतरफा फैसले का ही असर था कि ब्रिटेन ने शुरू में अपने सैन्य अड्डे इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं दी थी, जिसे लेकर ट्रंप आज तक नाराज बताए जाते हैं। अमेरिका-इस्राइल केवल ईरान की ताकत को ही भांपने में गलत साबित नहीं हुए, बल्कि यह समझने में भी चूक कर गए कि संघर्ष कितना व्यापक हो सकता है। अब इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। धरती का सबसे व्यस्त तेल मार्ग बंद है। बढ़ती अनिश्चितता ने क्रूड ऑयल के दाम को 105 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंचा दिया है। पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था दबाव का सामना कर रही है। हालात पर साफगोई की उम्मीद ट्रंप से अब भी नहीं की जा सकती है। वह तो अपने दावे पर कायम हैं कि ईरान समझौता करना चाहता है, जबकि तेहरान बार-बार कह रहा है कि अमेरिका को उसकी आक्रामकता का जवाब दिया जाएगा। अमेरिकी मीडिया और वहां के कई राजनेता मान रहे हैं कि वॉशिंगटन से बड़ी चूक हो गई। ईरान युद्ध पश्चिम एशिया को लेकर अमेरिका के गलत आंकलनों और पूर्वाग्रहों का एक और उदाहरण है।

सबसे पहले शुरूआत नक्शे से करते हैं। उस दौर में पाकिस्तान है बना ही नहीं था तो आप कल्पना कर सकते हैं कि भारत और ईरान दरअसल पड़ोसी देश थे। दोनों की सीमाएं हजारों साल से साथ ही थी। जाहिर है तब आज की तरह कोई एक सरकार नहीं होती थी। जनजातियां थी, अलग-अलग छोटे-छोटे कबीले थे, राज्य भी कह सकते हैं। लेकिन अगर आप सांस्कृतिक दृष्टि से इस जिसे हम आर्यावर्त कहते रहे हैं और ईरान तो इनकी सीमा तो ऐसी ही मिलती रही है और जाहिर है दोनों एक दूसरे को प्रभावित भी करते रहे क्योंकि तब कोई वीजा तो था नहीं। कोई आपका पासपोर्ट तो लगता नहीं था। तो यहां से आदमी कब इधर चला जाए अपनी भेड़े चराते या घोड़े दौड़ाते या इधर से इधर आ जाए यह कहा नहीं जा सकता और इसलिए दोनों के जो दोनों की संस्कृतियां हैं उस पर काफी एक दूसरे का प्रभाव दिखता है।

अहुर-असुर से आर्य-वेद तक

भारत-ईरान का वो रिश्ता जो अमेरिका-इजरायल चाहकर भी नहीं तोड़ सकते

(अभिनय आकाश)

ईरान का अर्थ ही है आर्यों का देश। आर्यों की ही एक शाखा ने इधर भारत में वेदों की रचना की थी। आज हम अहुरा-असुर से आर्य-वेद तक के सफर का एमआरआई स्कैन करेंगे। बताएंगे कि ईरान और भारत के ऐतिहासिक संबंध कैसे थे। और ये भी कि एरनम के फारस और फिर ईरान होने की कहानी क्या है?

ईरान-इजराइल युद्ध में भारत एक ऐसे तटस्थ देश की भूमिका निभा रहा है जो ना तो खुलकर तेल अवीव की मिसाइलों वाली बोली के समर्थन में है और न ही पूरी तरह तेहरान की तरफ झुका हुआ है। भारत और ईरान के रिश्ते हजारों साल पुराने हैं। वहीं इजरायल ने विभिन्न संकट की घड़ी में मददगार के रूप में भारत का साथ दिया है। अब आप सोचेंगे कि जब इजराइल से हमारी इतनी गहरी दोस्ती है तो हम ईरान को लेकर इतने फिक्रमंद क्यों हैं? क्या यह सिर्फ कच्चे तेल की सप्लाई या चाबहार बंदरगाह के व्यापार का मामला है? तो जवाब है बिल्कुल नहीं। भारत और ईरान का रिश्ता आज की कूटनीति कच्चे तेल या व्यापार की पैदाइश नहीं है। अगर आपको भारत का यह बैलेंसिंग एक्ट समझना है तो आज से हजारों साल पीछे जाना होगा। दरअसल हमारा और ईरान का रिश्ता किसी कागजी समझौते का नहीं बल्कि खून और सभ्यता का रिश्ता है। ईरान का अर्थ ही है आर्यों का देश। आर्यों की ही एक शाखा ने इधर भारत में वेदों की रचना की थी। आज हम अहुर-असुर से आर्य-वेद तक के सफर का एमआरआई स्कैन करेंगे। बताएंगे कि ईरान और भारत के ऐतिहासिक संबंध कैसे थे। और ये भी कि एरनम के फारस और फिर ईरान होने की कहानी क्या है?

दोनों की सीमाएं हजारों साल से साथ ही थी- सबसे पहले शुरूआत नक्शे से करते हैं। उस दौर में पाकिस्तान है बना ही नहीं था तो आप कल्पना कर सकते हैं कि भारत और ईरान दरअसल पड़ोसी देश थे। दोनों की सीमाएं हजारों साल से साथ ही थी। जाहिर है तब आज की तरह कोई एक सरकार नहीं होती थी। जनजातियां थी, अलग-अलग छोटे-छोटे कबीले थे, राज्य भी कह सकते हैं। लेकिन अगर आप सांस्कृतिक दृष्टि से इस जिसे हम आर्यावर्त कहते रहे हैं और ईरान तो इनकी सीमा तो ऐसी ही मिलती रही है और जाहिर है दोनों एक दूसरे को प्रभावित भी करते रहे क्योंकि तब कोई वीजा तो था नहीं। कोई आपका पासपोर्ट तो लगता नहीं था। तो यहां से आदमी कब इधर चला जाए अपनी भेड़े चराते या घोड़े दौड़ाते या इधर से इधर आ जाए यह कहा नहीं जा सकता और इसलिए दोनों के जो दोनों की संस्कृतियां हैं उस पर काफी एक दूसरे का प्रभाव दिखता है। 2000 से 3000 ईसा पूर्व के बीच भारत और ईरान के लोग एक ही परिवार का हिस्सा थे। अगर आप आधुनिक इराक, दक्षिणी ईरान और उत्तर पश्चिमी भारत के

नक्शे को एक साथ रखकर देखें तो आपको पता चलेगा कि यह पूरा इलाका कभी एक ही विशाल सांस्कृतिक और जन सांख्यिकी यानी डेमोग्राफिक क्षेत्र हुआ करता था। सिर्फ यही नहीं हमारी सिंधु घाटी सभ्यता ईरान और मेसोपोटामिया की समकालीन सभ्यताओं के बीच जो गहरे व्यापारिक संबंध थे वो आज भी जमीन की खुदाई में मिलते हैं। हजारों साल पहले हमारे पूर्वज एक दूसरे के शहरों में आते जाते थे। व्यापार करते थे और एक दूसरे के रीति-रिवाजों को मानते थे। यह दोनों सभ्यताएं एक दूसरे से पूरी तरह जुड़ी हुई थी। इसका एक सबसे बड़ा जिंदा सबूत आज भी मौजूद है। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में ब्राहूई नाम का एक कबीला रहता है। यह लोग शक्ल, सूरत और नस्ल से बिल्कुल ईरानी लगते हैं। लेकिन हैरानी की बात यह है कि इनकी बोली दक्षिण भारत की द्रविड़ भाषाओं जैसे तमिल या तेलुगु से काफी मिलती जुलती है। यह कोई इत्तेफाक नहीं है। बल्कि इस बात का पक्का सबूत है कि हमारी जड़े एक ही जमीन से जुड़ी हैं और आधुनिक सीमाएं बनने से पहले हम एक ही थे।

एक ही कबीले में रहते थे भारतीय-ईरानी- इंडो आर्यन और ईरानी लोगों के साझे अतीत को वैज्ञानिक भाषा में कुर्गन परिकल्पना या कुर्गन हाइपोथेसिस और बीएमएसी यानी बैक्टीरिया मार्गना आर्कियोलॉजिकल कॉम्प्लेक्स के नाम से जाना जाता है। इस थ्योरी के मुताबिक हजारों साल पहले मध्य एशिया के यूरेशियन स्टेपीज इलाके में एक बहुत बड़ा घुमंतु समूह यानी नोमेडिक ग्रुप रहता था। यह लोग घोड़ों की सवारी करने और रथ चलाने में माहिर थे। यह वो लोग थे जो एक ही भाषा बोलते थे और एक ही जैसी संस्कृति को मानते थे। लेकिन वक्त के साथ चारगाहों और नई जमीन की तलाश में इन लोगों ने वहां से दक्षिण की तरफ अपना सफर शुरू किया। यही वो ऐतिहासिक सफर था जिसने दुनिया का भूगोल हमेशा के लिए बदल दिया। प्रवास के इस लंबे रास्ते में यह विशाल इंडो ईरानी भाषी समूह दो अलग-अलग शाखाओं में बट गए। इस समूह की पहली शाखा ने हिंदू कुश के ऊंचे पहाड़ों को पार किया और भारतीय उपमहाद्वीप के सिंधु और गंगा के उपजाऊ मैदानी इलाकों में आकर बस गए। इन्हें ही इतिहास में इंडो आर्यंस कहा जाता है। जबकि दूसरी शाखा पहाड़ों के पार नहीं गई। वो ईरानी पठार जो ईरानियन प्लेटो हैवहां रुक गई। उन्होंने वहीं अपनी सभ्यता का विस्तार किया और वो आगे चलकर प्राचीन फारसी या ईरानी कहलाए। यानी जो आज के भारतीय हैं और जो ईरानी हैं वह असल में हजारों साल पहले एक ही कबीले में रहते थे।

अहुर और असुर, यस्न और यज्ञ- पारसी धर्म में सर्वोच्च भगवान अहुर मज़्दा हैं। वे निराकार, रंगहीन, लिंगहीन और परम बुद्धिमान सत्ता हैं। अहुर का अर्थ है स्वामी या दिव्य। अब, यदि आप अहुर के 'ह' को 'स' से बदल दें, तो आपको वैदिक संस्कृति का 'असुर' शब्द मिल जाएगा। ऋग्वेद में 'असुर' शब्द का प्रयोग दिव्य प्राणियों के लिए किया जाता था, और इसका इस्तेमाल वरुण और इंद्र जैसे देवताओं के लिए होता था। पारसी-ज़ोरोस्ट्रियन संस्कृति और इतिहास के अनुसंधान और संरक्षण के लिए समर्पित संगठन की निदेशक शेर्नाज़ कहती हैं कि पारसी धर्म में अच्छाई का मतलब अहुर मज़्दा से है, जो रोशनी और बुद्धि की शक्ति हैं। वहीं, बुराई की ताकत अंग्र मैन्यू है, जो अंधेरे और नकारात्मकता का प्रतीक है। अहुर मज़्दा, मित्र और सात 'अमेशा स्पेंटा' की शक्तियां, असुर वरुण और आदित्यों के समान ही हैं। ऋग्वेद में आदित्यों को सूर्य-देवताओं का एक समूह माना गया है। जो देवता कभी दोनों संस्कृतियों में पूजे जाते थे, बाद में पारसियों ने उन्हें मानना छोड़ दिया, लेकिन वैदिक परंपरा में उन्हें माना जाता रहा। और इसी तरह, वैदिक परंपरा के कुछ देवता पारसी परंपरा में भी बदल गए। लंदन की एसओएएस यूनिवर्सिटी के मारियानो एरिचिएलो उस सिद्धांत के बारे में बताते हैं कि कैसे मध्य एशियाई मैदानों में रहने वाली 'हिंद-ईरानी' आबादी अलग हो गई। वह कहते हैं, इस सिद्धांत की शुरुआत 19वीं सदी में उन भाषाविदों ने की थी जिन्होंने संस्कृत, अवेस्तान और अन्य हिंद-यूरोपीय भाषाओं की तुलना की थी। बाद में कुछ विद्वानों ने यह राय दी कि किसी धार्मिक विवाद के कारण ये दोनों लोग अलग हुए होंगे। मारियानो बताते हैं कि कैसे दोनों परंपराओं में कुछ पवित्र शब्दों का अर्थ उल्टा हो गया। वह समझाते हैं, मिसाल के तौर पर, पारसी धर्म में अहुर मज़्दा सबसे बड़े भगवान हैं, जबकि वैदिक परंपरा में 'असुर' शब्द का मतलब धीरे-धीरे खराब या नकारात्मक हो गया। यह बदलाव इशारा करता है कि शायद कोई धार्मिक बदलाव हुआ होगा, जिसमें पहले के कुछ देवताओं को छोड़ दिया गया था। न केवल रीति-रिवाज और देवता, बल्कि पारसियों और हिंदुओं के पवित्र ग्रंथों अवेस्ता और ऋग्वेद में सुरक्षित भौगोलिक यादें भी एक साझा हिंद-ईरानी सांस्कृतिक दुनिया की ओर इशारा करती हैं। इन ग्रंथों में मध्य एशिया और भारतीय उपमहाद्वीप में नदी प्रणालियों और भूभागों के समान विवरण मिलते हैं।

अवेस्ता को ऋग्वेद के चश्मे से समझें- विशेषज्ञों के अनुसार भारतीय और फारसी सभ्यताएँ कज़िन कल्चर यानी एक ही जड़ से जुड़ी हुई हैं।

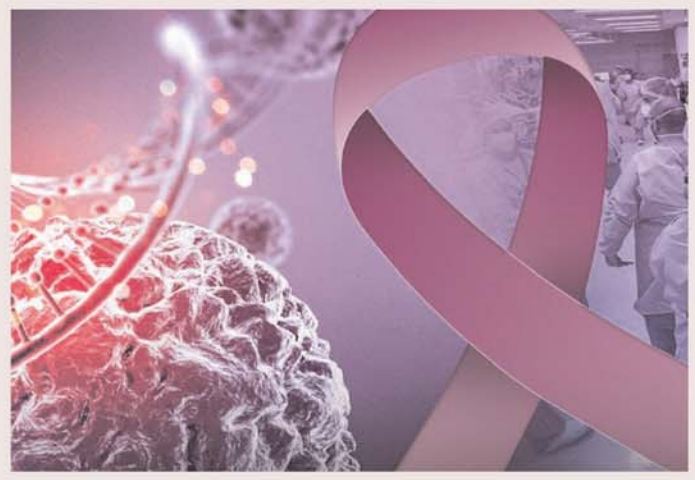

कैंसर की राजधानी बनता भारत? 78 प्रतिशत भारतीयों के खून में मिले कीटनाशकों के अवशेष

(अभिषेक कुमार सिंह)

भारत में कैंसर के बढ़ते मामलों के पीछे जागरूकता और सख्त नियमन की कमी तथा हर स्तर पर बरती जा रही अनदेखी जिम्मेदार है। सामान्यत- एक भारतीय जो भोजन ग्रहण करता है, उसकी सटीक जांच की न तो कोई फिक्र है और न ही कोई ऐसी व्यवस्था उसके आसपास मौजूद है, जिससे वह आसानी से भोजन में छिपे जहर की पड़ताल कर सके।

जांच का जिम्मा जिन एजंसियों पर है, उनकी थोड़ी-बहुत सक्रियता होली और दिवाली जैसे त्योहारों पर दिखती है। इसका नतीजा क्या है, यह हाल में बंगलुरु स्थित 'गट-हेल्थ स्टार्टअप माइक्रोबायोटीएक्स' के कराए गए शोध में सामने आया है। देश के नौ राज्यों और 14 शहरों के 200 शहरी भारतीयों के रक्त नमूनों के विश्लेषण में पाया गया कि 78 फीसद लोग कीटनाशक अवशेषों के संपर्क में हैं।

अध्ययन में शामिल लोगों में से 36 फीसद में तीन या अधिक कीटनाशकों का मिश्रित असर देखा गया, जो गंभीर स्वास्थ्य जोखिमों की ओर संकेत करता है। विषाक्त पदार्थ भूजल और वायु प्रदूषण के रास्ते शरीर में प्रवेश कर रहे हैं। जांच के बाद आई रपट में कहा गया है कि 54 फीसद नमूनों में एंटीबायोटिक्स और 39 फीसद में स्टेरायड पाए गए। यह हार्मोन के असंतुलन और कैंसर जोखिम बढ़ा सकता है।

कुछ रसायन जो 'नानस्टिक' बर्तनों में भी उपयोग होते हैं, वे कैंसर, बांझपन, थायरायड और यकृत में गंभीर बीमारियों के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं। सवाल है कि आखिर फसल उत्पादन, हमारे खानपान और रोजमर्रा की जिंदगी में कीटनाशकों के बढ़ते इस्तेमाल की वजह क्या है? आखिर इन पर वैसी रोक क्यों नहीं लग पा रही है, जैसी विकसित देशों में लगाई जाती है।

आज तक किसानों को इस बारे में जानकारी नहीं दी गई है कि किसी फसल पर कितनी मात्रा में कीटनाशकों का छिड़काव किया जाना चाहिए। सिर्फ किसान ही नहीं, वितरक यानी आढ़तिए भी फलों-सब्जियों को संरक्षित करने के लिए कीटनाशकों का इस्तेमाल करते हैं। सवाल है कि क्या हमारी सरकार आम जनता का हित देखना चाहती है या नहीं? इसका जवाब लोगों की जागरूकता में छिपा है।

यदि लोग खुद इन कीटनाशकों के इस्तेमाल के प्रति जागरूक होंगे और वे इस पर सवाल उठाएंगे, तो सरकार इनके इस्तेमाल की नीति बनाने के लिए बाध्य होगी। बाह्य संक्रमणों और कीटों से निपटना पहले भी चुनौती थी और आज भी यह बड़ी समस्या है। इस तस्वीर में महज इतना फर्क आया है कि आज हमारे पास विकसित किए गए कीटनाशक वे रसायन हैं जो इन कीटों और संक्रमणों से हमें काफी हद तक निजात दिलाते हैं।

आम धारणा यह है कि ये हमें कई दिक्कतों से बचाते हैं, लेकिन शोध साबित करते रहे हैं कि मक्खी-मच्छर, फफूंद या बैक्टीरिया से बचने की यह कोशिश हमें रसायन जनित कैंसर और दूसरी गंभीर बीमारियों की जद में ले जा रही है। मामला सिर्फ खाद्य पदार्थों में मिलाए जाने वाले खतरनाक रासायनिक तत्त्वों का नहीं है, बल्कि उन चीजों का भी है जो संक्रमण रोकने और कीटरोधी के तौर पर इस्तेमाल की जा रही हैं।

खेतों में कीटनाशकों से फसलें सुरक्षित रहती हैं। घरों में रासायनिक दवाएं दीमक, तिलचट्टों, मक्खी-मच्छरों से हमें सुरक्षा प्रदान करती हैं। घरेलू कीटनाशकों का तो यह कह कर जोर-शोर से प्रचार किया जाता है कि कम या ज्यादा मच्छर होने पर इनका असर भी मनचाहे ढंग से घटाया या बढ़ाया जा सकता है। मगर कीटनाशकों का अंधाधुंध प्रचलन हमारी सेहत की बलि ले रहा है।

खेत-खलिहान हों या घर, हमें हर जगह कीटनाशकों के इस्तेमाल की सलाह दी जा रही है, पर यह कोई नहीं बता रहा कि कितनी मात्रा तक इनका इस्तेमाल सुरक्षित है। खतरनाक रसायन दो तरीकों से हम तक पहुंच रहे हैं। अव्वल तो मक्खी-मच्छर और तिलचट्टों के रोकने के लिए हम खुद इनका इस्तेमाल करते हैं। दूसरे, खेतों में फसलों पर छिड़के जाने वाले कीटनाशकों के अंश फल-सब्जियों और अनाजों के जरिए हम तक पहुंचते हैं। अब चाहे कोई मौसम हो, शहरों-कस्बों में हर तरह के मच्छर प्रतिरोधी रसायनों की बिक्री धड़ल्ले से हो रही है।

मजबूत सेना, स्वदेशी हथियार और नई युद्ध तकनीक, यही है मोदी सरकार की जबरदस्त सामरिक रणनीति

मोदी सरकार की दूसरी निर्णायक रणनीति है सैन्य आधुनिकीकरण को तेज करना। पिछले कुछ वर्षों में यह स्पष्ट हुआ है कि भारत को एक साथ दो मोर्चों पर युद्ध की संभावना को ध्यान में रखते हुए अपनी सैन्य क्षमता बढ़ानी होगी। इसी रणनीति के तहत भारत ने नौसेना के लिए 26 आधुनिक राफेल लड़ाकू विमान खरीदने का लगभग 7.4 अरब डॉलर का समझौता किया है, जिससे हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की समुद्री शक्ति और मजबूत होगी।

(नीरज कुमार दुबे)

पिछले कुछ वर्षों में भारत ने हथियार आयातक देश की छवि से बाहर निकलकर रक्षा निर्यातक बनने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए हैं। उदाहरण के तौर पर हाल ही में इंडोनेशिया ने भारत से लगभग 3800 करोड़ रुपये की ब्रह्मोस मिसाइल खरीदने का समझौता किया है।

साल 2026 में भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा नीति एक निर्णायक मोड़ पर खड़ी दिखाई देती है। बदलते वैश्विक शक्ति संतुलन, चीन की आक्रामक सैन्य विस्तार नीति, हिंद महासागर में बढ़ती प्रतिस्पर्धा और सीमा क्षेत्रों में लगातार तनाव ने भारत को अपनी रणनीतिक प्राथमिकताओं को नए सिरे से परिभाषित करने के लिए मजबूर किया है। इसी पृष्ठभूमि में मोदी सरकार ने वर्ष 2026 में ऐसी सामरिक रणनीति अपनाई है जिसका मूल उद्देश्य है सैन्य शक्ति का तीव्र आधुनिकीकरण, स्वदेशी रक्षा उत्पादन का विस्फोटक विस्तार, नई युद्ध तकनीकों में निर्णायक बढ़त और वैश्विक रक्षा कूटनीति का विस्तार।

हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी की सबसे पहली और सबसे स्पष्ट प्राथमिकता है रक्षा बजट में निरंतर वृद्धि। केंद्रीय बजट 2026-27 में भारत सरकार ने रक्षा क्षेत्र के लिए लगभग 7.85 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड आवंटन किया है जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 15 प्रतिशत अधिक है। यह राशि भारत के सकल घरेलू उत्पाद का लगभग दो प्रतिशत है और केंद्र सरकार के कुल खर्च का लगभग 14.67 प्रतिशत हिस्सा रक्षा क्षेत्र को जाता है। इस बजट में 2.19 लाख करोड़ रुपये पूंजीगत व्यय के लिए रखे गए हैं ताकि सेना को अगली पीढ़ी के लड़ाकू विमान, आधुनिक युद्धपोत, पनडुब्बी, ड्रोन और स्मार्ट हथियारों से लैस किया जा सके।

मोदी सरकार की दूसरी निर्णायक रणनीति है सैन्य आधुनिकीकरण को तेज करना। पिछले कुछ वर्षों में यह स्पष्ट हुआ है कि भारत को एक साथ दो मोर्चों पर युद्ध की संभावना को ध्यान में रखते हुए अपनी सैन्य क्षमता बढ़ानी होगी। इसी रणनीति के तहत भारत ने नौसेना के लिए 26 आधुनिक राफेल लड़ाकू विमान खरीदने का लगभग 7.4 अरब डॉलर का समझौता किया है, जिससे हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की समुद्री शक्ति और मजबूत होगी।

इसके साथ ही भारतीय वायुसेना के लिए नए लड़ाकू स्क्वॉड्रन, आधुनिक मिसाइल प्रणाली और लंबी दूरी की मारक क्षमता वाले हथियारों पर तेजी से काम चल रहा है।

सामरिक विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम चीन और पाकिस्तान दोनों से उत्पन्न सुरक्षा चुनौतियों के जवाब में उठाया गया है।

तीसरी बड़ी प्राथमिकता है आत्मनिर्भर रक्षा उद्योग का निर्माण। वर्ष 2026 के रक्षा बजट में पूंजीगत खरीद का लगभग 75 प्रतिशत हिस्सा घरेलू उद्योगों से खरीद के लिए निर्धारित किया गया है। इसका अर्थ है कि लगभग 1.39 लाख करोड़ रुपये भारतीय कंपनियों और रक्षा निर्माण इकाइयों को मिलेंगे। इससे न केवल सैन्य क्षमता बढ़ेगी बल्कि देश में विशाल रक्षा औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र भी विकसित होगा।

इसी दिशा में उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारा एक बड़ा उदाहरण बनकर उभरा है जहां अब तक 35000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आकर्षित हो चुका है। इस परियोजना का लक्ष्य भारत को वैश्विक रक्षा उत्पादन केंद्र बनाना है और हजारों उच्च कौशल रोजगार पैदा करना है।

चौथी रणनीतिक प्राथमिकता है नई पीढ़ी के युद्ध क्षेत्रों में प्रवेश। पारंपरिक युद्ध अब अकेला निर्णायक तत्व नहीं रह गया है। ड्रोन, कृत्रिम बुद्धि आधारित युद्ध प्रणाली, डाटा युद्ध और साइबर युद्ध भविष्य की लड़ाइयों का आधार बनते जा रहे हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए भारत ने ड्रोन बल, सैन्य जियो स्पेशल एजेंसी, डाटा फोर्स और संज्ञानात्मक युद्ध इकाइयों की स्थापना की दीर्घकालिक योजना तैयार की है। इसका उद्देश्य है कि वर्ष 2047 तक भारत पूरी तरह तकनीकी रूप से उन्नत सैन्य शक्ति बन सके।

पांचवीं प्राथमिकता है रक्षा निर्यात का आक्रामक विस्तार। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने हथियार आयातक देश की छवि से बाहर निकलकर रक्षा निर्यातक बनने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए हैं। उदाहरण के तौर पर हाल ही में इंडोनेशिया ने भारत से लगभग 3800 करोड़ रुपये की ब्रह्मोस मिसाइल खरीदने का समझौता किया है। यह सौदा केवल आर्थिक नहीं बल्कि रणनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे हिंद प्रशांत क्षेत्र में भारत की सामरिक उपस्थिति मजबूत होती है।

छठी रणनीतिक दिशा है भविष्य के युद्ध खतरों के लिए तैयारी। भारत की नई रक्षा दृष्टि में रासायनिक, जैविक, रेडियोलॉजिकल और परमाणु हमलों से निपटने के लिए विशेष सुरक्षा ढांचे का निर्माण भी शामिल है। रक्षा बल विजन 2047 दस्तावेज में स्पष्ट किया गया है कि भविष्य के युद्ध बहुआयामी होंगे और उनके लिए तेज प्रतिक्रिया क्षमता विकसित करना आवश्यक है।

इन सभी पहलों का व्यापक लक्ष्य है भारत को वर्ष 2047 तक एक विकसित और सैन्य दृष्टि से आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाना। देखा जाये तो रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा प्रस्तुत रक्षा विजन 2047 राष्ट्रीय शक्ति के समग्र विस्तार का खाका है जिसमें सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और तकनीकी नवाचार को एक साथ जोड़ा गया है।

कुल मिलाकर देखें तो वर्ष 2026 में मोदी सरकार की रणनीतिक प्राथमिकताएं बेहद स्पष्ट और आक्रामक हैं। विशाल रक्षा बजट, तेज सैन्य आधुनिकीकरण, स्वदेशी हथियार निर्माण, नई युद्ध तकनीकों में निवेश, रक्षा निर्यात का विस्तार और भविष्य के युद्धों के लिए तैयारी, ये सभी कदम मिलकर भारत को एक उभरती वैश्विक सैन्य शक्ति में बदलने की दिशा में आगे बढ़ा रहे हैं। यदि यह रणनीति इसी गति से लागू होती रही तो आने वाले दशक में भारत केवल दक्षिण एशिया की सुरक्षा व्यवस्था का केंद्र नहीं रहेगा बल्कि हिंद प्रशांत क्षेत्र की शक्ति संतुलन राजनीति में भी निर्णायक भूमिका निभाएगा।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

शिल्पा के देसी अवतार ने बढ़ाया इंटरनेट का पारा

बॉलीवुड की फैशन आइकॉन शिल्पा शेट्टी अपने ग्लैमरस लुक से इंटरनेट पर तहलका मचाती रहती हैं। शिल्पा शेटटी को 'साड़ी क्वीन' भी कहा जाता है। एक बार फिर उन्होंने अपने साड़ी तस्वीरों से फैंस के दिल की धड़कने बढ़ा दी है। शिल्पा शेट्टी ने मेटैलिक सिल्वर साड़ी में अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की है,जिसे उन्होंने कंटेम्परेरी ब्लाउज और मैचिंग एक्सेसरीज़ के साथ पेयर किया है।

साड़ी के साथ एक्ट्रेस ने स्लीवलेस ब्लाउज कैरी किया है, जो उनके लुक में बोल्डनेस का तड़का लगा रहा है। इसके साथ ही उन्होंन गले में स्टेटमेंट चोकर और मैचिंग ईयररिंग्स कैरी किए हैं। शिल्पा शेट्टी ने ग्लोइंग मेकअप,स्मोकी आई और न्यूड लिप्स के साथ अपना लुक कम्प्लीट किया है। साथ ही खुले सॉफ्ट वेव्स हेयरस्टाल उनके लुक को और भी ग्रेसफुल बना रहा है। तस्वीरों में शिल्पा एक से बढ़कर एक अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं। कभी वह हर एक पोज़ में उनकी आत्मविश्वास और सौंदर्य की झलक दिखाई देती है।

ऑस्कर विनिंग फिल्म के डायरेक्टर को बेहद पसंद आई धुरंधर 2

19 मार्च को धमाकेदार रिलीज के बाद, 'धुरंधर 2: द रिवेंज' को ऑस्कर विनिंग डायरेक्टर एसएस राजामौली की भरपूर सराहना मिली है। 2025 की रिकॉर्ड तोड़ ब्लॉकबस्टर फिल्म के इस सीक्वल ने न केवल दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया है बल्कि अपनी भव्यता और कहानी कहने की गहराई के लिए फिल्म जगत के दिग्गजों से भी प्रशंसा बटोर रहा है। 'आरआरआर' के निर्देशक ने अपने X पर फिल्म की प्रशंसा करते हुए लिखा कि हालांकि उन्हें पहली फिल्म बहुत पसंद आई थी, लेकिन सीक्वल मूल फिल्म से कहीं बेहतर है।

क्या बोले डायरेक्टर राजामौली?

राजामौली ने कहा, 'लेखन, कास्टिंग, तकनीकी रूप से मजबूत, संगीत, दुनिया का निर्माण और निर्देशन त्रुटिहीन हैं।' उन्होंने विशेष रूप से इस विशाल निर्माण को आधार देने वाले भावनात्मक पहलुओं पर प्रकाश डाला। राजामौली ने निर्देशक आदित्य धर की चार घंटे लंबी फिल्म रिलीज करने के उनके साहस की सराहना की। फिल्म की लंबी अवधि के बावजूद, राजामौली ने कहा कि दर्शक आखिरी दृश्य तक अपनी सीट से चिपके रहते हैं जिसका श्रेय पटकथा को जाता है जो वास्तविक तनाव को भावनात्मक मोड़ों के साथ खूबसूरती से पिरोती

है। उन्होंने लिखा, लेखन ने ऐसे कथानक मोड़ बुने हैं जो वास्तविक तनाव और भावनाओं का संगम पैदा करते हैं। आदित्य धर आपने कमाल कर दिया। चार घंटे लंबी फिल्म बनाना और रिलीज़ करना हिम्मत का काम है। दर्शक आखिरी दृश्य तक अपनी सीट से चिपके रहते हैं।

श्रुति हासन की लव लाइफ क्यों पटरी से उतरी?

बोलीं- 'हमारी इंडस्ट्री में सबका यही हाल है'

श्रुति हासन का नाम अब तक कई एक्टर्स के साथ जोड़ा गया,लेकिन किसी भी रिश्ते को मंजिल नहीं मिली। हाल ही में एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू के दौरान अपनी लव लाइफ को लेकर कई बातें साझा की हैं। क्यों उनके प्यार की गाड़ी चल नहीं रही है?

लव लाइफ के बारे में श्रुति हासन ने क्या कहा?

मैशेबल इंडिया को दिए गए हालिया इंटरव्यू में श्रुति ने कहा, 'मेरी लव लाइफ लॉन्ग डिटेंस होती है। कभी गाने की, कभी फिल्मों की शूटिंग होती है। जब कभी ब्रेक मिलता है तो सामने वाले शख्स को अपनी जिंदगी जीनी होती है। देखिए, हमारी इंडस्ट्री में लगभग सबका यही हाल है।'

श्रुति को तेलुगु अच्छे से बोलने नहीं आती है तो वह इंटरव्यू में कहती हैं कि किसी तेलुगु लड़के को डेट कर लेती हूं, उसके साथ बात करूंगी तो लैंग्वेज सीख जाऊंगी।

खुद को बताया घरेलु लड़की

श्रुति हासन ने आगे इंटरव्यू में बताया कि वह जब वह प्यार में होती हैं तो बिल्कुल घरेलु लड़की बन जाती हैं। वह कहती हैं, 'मैं अपने पार्टनर को पहले खाना खिलाती हूं, उस पर बहुत प्यार लुटाती हूं। अगर उसे बुखार आता है तो उसकी केयर करती हूं। लेकिन यह सब उस शख्स के लिए करती हूं, तो मेरी इन फीलिंग्स को इंपोर्टेंस देता है।' यह सब बातें बताने के बाद भी श्रुति ने यह नहीं बताया कि वह किसे डेट कर रही हैं।

इस साल कई फिल्मों में नजर आएंगी श्रुति हासन

श्रुति हासन के करियर फ्रंट की बात करें तो वह पिछले साल रजनीकांत की फिल्म 'कुली' में नजर आई थीं। इस साल वह फिल्म 'ट्रेन' और 'सालार 2' जैसी फिल्मों में नजर आएंगी। 'सालार 2' में वह प्रभास के अपोजिट दिखाई देंगी।

अब ऋषभ शेट्टी से भिड़ेगा 'धुरंधर' का ये खूंखार विलेन

इस वक्त सिर्फ एक ही पिक्चर की गूंज है, वो है DHURANDHAR: THE REVENGE. फिल्म के हीरो से ज्यादा विलेन छाए हुए हैं. फर्स्ट फिल्म में अक्षय खन्ना ने गर्दा उड़ाया था, इस बार अर्जुन रामपाल और संजू बाबा ने अपने काम से इम्प्रेस किया।

अबतक अकेले भारत से ही 260 करोड़ रुपये का कारोबार कर चुकी है। वहीं, फिल्म को जबरदस्त रिस्पॉन्स भी मिल रहा है। इसी बीच फिल्म के विलेन की एंट्री ऋषभ शेट्टी की फिल्म में हो गई है। "The Pride of Bharat: Chhatrapati Shivaji Maharaj" में 'धुरंधर' का खूंखार विलेन क्या करने वाला है। जानिए फिल्म को लेकर क्या अपडेट मिल गया है? दरअसल ऋषभ शेट्टी के लिए साल 2025 बेहद जबरदस्त रहा, जब उनकी 'कांतारा-चैप्टर 1' बॉक्स ऑफिस पर आई और 800 करोड़ रुपये से ज्यादा कारोबार कर लिया। हालांकि, एक्टर के खाते में इस समय 'जय हनुमान' भी है, जिसका काम शुरू हो चुका है। एक्टर का पूरा फोकस ही इसी फिल्म की तरफ है। हालांकि, अब फिल्म पर क्या अपडेट आ गया है, जानिए पता लगा कि अर्जुन रामपाल, 'द प्राइड ऑफ भारतः छत्रपति शिवाजी महाराज' में एंट्री लेने के लिए तैयार हैं।

अब क्योंकि यह एक पैन-इंडिया प्रोजेक्ट है, तो इसमें ऋषभ शेट्टी महान मराठा राजा का किरदार निभाने वाले हैं। 'धुरंधरः द रिवेंज' में अपनी जबरदस्त एक्टिंग से अर्जुन रामपाल ने सबका ध्यान खींच लिया है। अब इस फिल्म में विलेन के रोल के लिए एक्टर को चुना गया है। रिपोर्ट के मुताबिक ,वो ऑन-स्क्रीन ऋषभ शेट्टी का सामना करेंगे। दरअसल उम्मीद है कि यह फिल्म साल 2027 तक रिलीज कर दी जाएगी।

फिल्म फॉरेस्ट रेंजर की जोरदार तैयारी में जुटी कृष्णा गौतम

अपनी आने वाली फिल्म फॉरेस्ट रेंजर के लिए एक्ट्रेस कृष्णा गौतम जोरदार तैयारी में जुटी हुई हैं। यह फिल्म फिलहाल प्री-प्रोडक्शन चरण में है। अपने किरदार को पूरी तरह वास्तविक और प्रभावशाली बनाने के लिए अभिनेत्री इन दिनों कड़ी ट्रेनिंग ले रही हैं और खास तौर पर मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स (एमएमए) सीख रही हैं। जानकारी के अनुसार, कृष्णा गौतम अपने एक्शन अवतार को विश्वसनीय बनाने के लिए लंबे समय तक ट्रेनिंग सेशन्स में हिस्सा ले रही हैं। इन सत्रों में वह अपनी ताकत, फुर्ती और कॉम्बैट तकनीकों को बेहतर बनाने पर खास ध्यान दे रही हैं। इस कठोर अभ्यास से साफ झलकता है कि वह अपने किरदार को पर्दे पर पूरी मजबूती और वास्तविकता के साथ प्रस्तुत करना चाहती हैं।

अभिनेत्री अपनी एमएमए ट्रेनिंग की झलकियां समय-समय पर सोशल मीडिया पर भी साझा कर रही हैं। इन वीडियोज और तस्वीरों के जरिए उनके प्रशंसकों को यह देखने का मौका मिल रहा है कि किसी एक्शन आधारित किरदार को निभाने के लिए कलाकारों को कितनी मेहनत और तैयारी करनी पड़ती है। उनके ट्रेनिंग सेशन्स में हाई-इंटेंसिटी वर्कआउट, फाइटिंग मूव्स और स्टैमिना बढ़ाने वाले अभ्यास शामिल हैं। कृष्णा गौतम को अपने किरदारों के साथ नए-नए प्रयोग करने के लिए जाना जाता है। इसी कड़ी में 'फॉरेस्ट रेंजर' उनके करियर का एक अलग और चुनौतीपूर्ण प्रोजेक्ट माना जा रहा है। इस फिल्म के जरिए वह पहली बार पूरी तरह एक्शन जॉनर को एक्सप्लोर करती नजर आएंगी। फिल्म में तेज रफ्तार एक्शन और रोमांचक घटनाओं की भरमार होने की उम्मीद है, जिसके लिए अभिनेत्री का नया ट्रांसफॉर्मेशन पहले ही दर्शकों और फिल्म इंडस्ट्री के लोगों के बीच उत्सुकता पैदा कर चुका है। फिल्म के निर्माताओं की योजना इसे वर्ष 2027 में रिलीज करने की है। हालांकि अभी फिल्म से जुड़ी कई अन्य जानकारियां सामने आना बाकी हैं, लेकिन प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा अभी से तेज हो गई है।

अक्षय कुमार की 'बॉस' ने बनाया अनोखा रिकॉर्ड

अपने करियर में बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने कई हिट फिल्मों के साथ कुछ फ्लॉप फिल्मों का भी सामना किया है। अक्षय की एक फिल्म ऐसी रही जिसने बॉक्स ऑफिस पर भले ही निराश किया, मगर एक अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। यह फिल्म है 'बॉस', जिसने रिलीज के समय खास कमाई नहीं की, लेकिन अपने प्रमोशन के चलते इतिहास रच दिया। फिल्म 'बॉस' में अक्षय कुमार के साथ मिथुन चक्रवर्ती, शिव पंडित, रोनित रॉय और असिन जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में नजर आए थे। हालांकि फिल्म को दर्शकों से उम्मीद के मुताबिक प्रतिक्रिया नहीं मिली।

दरअसल, अक्षय कुमार के फैन क्लब द्वारा इस फिल्म के प्रमोशन के लिए एक खास पोस्टर तैयार किया गया था। इस पोस्टर को बनाने में करीब चार महीने का समय लगा। जब यह तैयार हुआ, तो इसका आकार इतना बड़ा था कि इसने दुनिया के सबसे बड़े पोस्टर का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इस उपलब्धि को गिनीज वर्ल्ड रिकार्डस में भी दर्ज किया गया। इससे पहले यह रिकॉर्ड यूनाइटेड किंगडम के लिटल ग्रांसडेन एयरफील्ड में बने एक पोस्टर के नाम था, जिसे मैक्रो आर्ट्स कंपनी ने तैयार किया था। यही कंपनी पॉप स्टार माइकल जेक्सन का विशाल पोस्टर बनाने के लिए भी जानी जाती है। लेकिन 'बॉस' के पोस्टर ने इस रिकॉर्ड को करीब 15 से 20 प्रतिशत के अंतर से पीछे छोड़ दिया। अगर इस पोस्टर के आकार की बात करें तो यह लगभग 58 .87 मीटर चौड़ा और 54 .94 मीटर लंबा था। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड की टीम ने मौके पर पहुंचकर इसका मापन किया और आधिकारिक तौर पर इसे दुनिया का सबसे बड़ा पोस्टर घोषित किया। यह उपलब्धि फिल्म के फ्लॉप होने के बावजूद उसे एक अलग पहचान दिलाने में सफल रही। वर्क फ्रंट की बात करें तो अक्षय कुमार आने वाले समय में कई फिल्मों में नजर आने वाले हैं। वह जल्द ही भूत बंगला में दिखाई देंगे, जो एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म है।

ईद 2027 में धमाका करने लौटेंगे सलमान खान

बॉलीवुड के भाईजान सलमान खान अपनी अगली फिल्म कब रिलीज करने वाले हैं? फिलहाल तो हर किसी का सवाल यही है, क्योंकि एक्टर ने पहले अप्रैल का महीना चुना था, लेकिन फिर फिल्म का शूट बढ़ गया और अब फिल्म का नाम 'बैटल ऑफ गलवान' से बदलकर 'मातृभूमि' कर दिया गया है। कहा जा रहा है कि काफी कुछ फिल्म में बदला जाएगा, अब एक चाइनीज गाना भी रखा जाएगा। वैसे अगस्त विंडो पर सलमान और अपूर्व लाखिया की निगाहें हैं, पर बड़ा सवाल यह है कि क्या वो अगली फिल्म साउथ डायरेक्टर वामशी पेडिपल्ली और प्रोड्यूसर दिल राजू के साथ करने वाले हैं।

फिल्म को लेकर क्या बड़े अपडेट मिल गए हैं।वैसे तो बॉलीवुड के 'सुल्तान' सलमान खान का पूरा फोकस अगली फिल्म 'मातृभूमि' रिलीज होगी। पर बड़ा सवाल यह है कि उसके बाद क्या? उनका नाम कई फिल्मों से जुड़ रहा है, साथ ही यहां तक कहा जा रहा है कि वो साउथ मेकर्स के साथ ही कुछ प्लान कर रहे हैं। इसी बीच एक रिपोर्ट से पता लगा कि, सलमान एक बार फिर अपनी उस रिलीज विंडो पर कब्जा करने की तैयारी में हैं, जो कभी उनके सुपरस्टारडम की पहचान बन गई थी। क्या मातृभूमि के बाद ईद 2027 में व वापसी होने जा रही है। हाल ही में एक रिपोर्ट के मुताबिक पता लगा कि सलमान खान ने ईद 2027 के लिए एक बड़े बजट की कमर्शियल एंटरटेनर फिल्म लॉक कर ली है। पहला बड़ा अपडेट है कि इस प्रोजेक्ट के लिए सलमान खान ने साउथ प्रोड्यूसर दिल राजू से हाथ मिलाया है। साथ ही नेशनल अवॉर्ड जीतने वाले डायरेक्टर वामशी पेडिपल्ली उनकी फिल्म डायरेक्ट करेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, यह फिल्म एक बड़े पैमाने पर बनाई जाने वाली एक्शन एंटरटेनर होगी। जिसकी कहानी में एक मजबूत इमोशनल स्पाइन होगा। फिल्म को सलमान खान की 'मास अपील' और फेस्टिवल के दौरान बॉक्स ऑफिस पर उनके दबदबे को ध्यान में रखकर डिजाइन किया जा रहा है। फिल्म के टाइटल का फिलहाल ऐलान नहीं किया गया है। पर यह एक 'इवेंट फिल्म' के तौर पर पेश किया जा रहा है।

'मिस्टर एंड मिसेज परशुराम' के महामिलन ने बढ़ाई फैंस की धड़कनें

स्टार प्लस हमेशा अपने शानदार महासंगम इवेंट्स के जरिए परिवारों को करीब लाता रहा है, और इस बार यह और भी बड़ा, धमाकेदार और हाई-वोल्टेज ड्रामे से भरपूर होने वाला है!

'देशमुख महासंगम' के लिए, दो अलग-अलग कहानियाँ एक ही छत के नीचे टकराने वाली हैं। इसमें 'उड़ने की आशा' से सचिन और साइली, 'मिस्टर एंड मिसेज परशुराम' के शिवप्रसाद और शालिनी के साथ नज़र आएंगे। देशमुख कजिन्स होने के नाते ये दोनों परिवार एक-दूसरे से जुड़े तो हैं, लेकिन इनका साथ आना इतना आसान नहीं होने वाला।जो शुरुआत में एक प्यारा सा फैमिली रीयूनियन लग रहा था, वह जल्द ही एक अनपेक्षित मोड़ ले लेता है। प्रोमो में इस आने वाले तूफान की एक झलक दिखाई गई है, जहाँ सिर्फ बातें नहीं हो रही हैं, बल्कि एक-दूसरे को उकसाया जा रहा है।

इस तनावपूर्ण माहौल के बीच एक बहुत ही दिलचस्प पल सामने आता है। शिवप्रसाद और सचिन को तैयार होते देखा जा रहा है, और शालिनी और साइली उनके साथ रहकर उन्हें तैयार कर रही हैं, लेकिन आखिर किसलिए? क्या यह कोई मुकाबला है? ईगो की जंग है? या फिर कुछ और भी ज़्यादा गंभीर।उनकी हर नज़र में एक चुनौती है और हर बात में एक गहरे टकराव का इशारा। हर पल एक ऐसे आमने-सामने के मुकाबले की तरफ बढ़ रहा है जो दर्शकों को अपनी सीटों से बांधे रखेगा।जब इतने मज़बूत व्यक्तित्व वाले लोग एक साथ आते हैं, तो शांति की उम्मीद करना नामुमकिन है।

125 मिनट की खौफनाक फिल्म

हॉरर फिल्मों और सीरीज का क्रेज इन दिनों लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा है। कुछ लोग हल्की-फुल्की हॉरर कॉमेडी पसंद करते हैं तो कुछ ऐसे हैं, जिन्हें डर, अचानक आने वाले सीन, खौफनाक कहानी और रोंगटे खड़े कर देने वाला माहौल देखना अच्छा लगता है। डरावनी कहानी की यही खूबी होती है कि वो इंसान को स्क्रीन से बांधे रखती हैं और खत्म होने के बाद उसका हर एक सीन दिमाग में घूमता रहता है। कुछ फिल्में इतनी खतरनाक होती है कि देखने के बाद रात में नींद भी नहीं आती और दर्शक लंबे समय तक उस डर को भूल नहीं पाते हैं। 2025 में आई इस फिल्म का हर सीन बहुत ही खौफनाक है, जिसे देख आपके होश उड़ जाएंगे।

2025 में रिलीज हुई थी ये धांसू फिल्म

ओटीटी पर रिलीज हुई इस हॉरर फिल्म की सबसे खास बात यह है कि इसे आप अपने परिवार वालों और दोस्तों के साथ देख सकते हैं, लेकिन आपने अगर इस शानदार हॉरर फिल्म को मिस कर दिया है तो आपके लिए खुशखबरी है। हम जिस फिल्म की बात कर रहे हैं, वो फिल्म 12 सितंबर, 2025 को रिलीज हुई थी। ये एक तेलुगु हॉरर थ्रिलर फिल्म है, जिसने रिलीज होते ही दर्शकों का ध्यान खींच लिया था। हम जिस फिल्म की बात कर रहे हैं, उसका नाम 'किष्किंधापुरी' है, जिसकी कहानी ऐसा माइंड गेम खेलती है कि आखिरी सीन तक सस्पेंस बना रहता है और हर ट्विस्ट होश उड़ाने वाला है।

फिल्म का अंत देखने के बाद घूम जाएगा दिमाग

'किष्किंधापुरी' का डायरेक्शन कौशिक पेगल्लापति ने किया था। फिल्म में बेल्लमकोंडा साईं श्रीनिवास, अनुपमा परमेश्वरन, करंद देशपांडे और तनिकेला भारणी जैसे बेहतरीन कलाकार है।

स्टोनलैम ने रायपुर में फ्लैगशिप स्टोर का भव्य शुभारंभ कर छत्तीसगढ़ में बढ़ाई उपस्थिति

रायपुर। प्रीमियम पोर्सिलेन आर्किटेक्चरल सरफेसेज़ के अग्रणी डिस्ट्रीब्यूटर और फ्साड सॉल्यूशन प्रोवाइडर 'स्टोनलैम' ने रायपुर में अपना नया फ्लैगशिप स्टोर लॉन्च कर छत्तीसगढ़ में अपनी मौजूदगी को और मजबूत किया है। नेचर इज़ एबव ऑल की अनूठी फिलॉसफी पर आधारित इस स्टोर को 'जय जगन्नाथ एंड कंपनी' के रणनीतिक सहयोग से तैयार किया गया है।

रायपुर के प्रसिद्ध फाफाडीह टिंबर मार्केट (एफसीआई गोदाम रोड) में स्थित यह स्टोर क्षेत्र के आर्किटेक्ट्स, डिजाइनर्स और बिल्डर्स के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभरेगा। यहाँ स्टोनलैम द्वारा विशेष डिज़ाइन कंसल्टेशन और तकनीकी विशेषज्ञों की सेवाएँ उपलब्ध होंगी। यह पहल मध्य भारत की तेजी से बढ़ती कंस्ट्रक्शन कम्युनिटी को आधुनिक समाधानों के और करीब लाएगी। इस फ्लैगशिप स्टोर को ग्राहकों को एक 'इमर्सिव अनुभव' देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यहाँ विज़िटर्स प्रीमियम पोर्सिलेन सरफेसेज़ की विस्तृत रेंज और फ्साड सॉल्यूशन्स को करीब से देख सकते हैं।

इंटीरियर से लेकर एक्सटीरियर फ्साड तक, यहाँ प्रदर्शित एप्लिकेशन्स सौंदर्य, टिकाऊपन और सुरक्षा का उत्कृष्ट संतुलन प्रस्तुत करते हैं। यह पेशेवरों को मैटेरियल्स को देखने, महसूस करने और उनके तकनीकी पहलुओं को गहराई से समझने का अवसर प्रदान करता है। इस महत्वपूर्ण अवसर पर स्टोनलैम के सीईओ, संदीप बागड़े ने कहा, रायपुर में यह विस्तार भारत के प्रमुख बाजारों में हमारी पहुँच को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जय जगन्नाथ एंड कंपनी के साथ हमारा उद्देश्य पेशेवरों को एक ऐसा मंच प्रदान करना है, जहाँ वे हमारे वर्ल्ड-क्लास सॉल्यूशन्स का प्रत्यक्ष अनुभव कर सकें। यह स्टोर इनोवेशन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह स्टोर प्रोफेशनल्स को मैटेरियल्स को करीब से अनुभव करने और उन्हें बेहतर तरीके से समझने का अनूठा अवसर प्रदान करता है। यहाँ विज़िटर्स न केवल डिज़ाइन्स देख सकते हैं, बल्कि फ्साड एप्लिकेशन्स की तकनीकी बारीकियों को भी समझ सकते हैं। यह सहयोग स्टोनलैम के डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क को मजबूत करने के साथ-साथ क्षेत्रीय स्तर पर कंपनी की उपस्थिति को और सशक्त बनाता है। यह पहल स्टोनलैम के उस विज़न को सशक्त करती है, जिसके तहत कंपनी इनोवेशन और डिज़ाइन एक्सीलेंस के माध्यम से आर्किटेक्चरल सरफेसेज़ को एक नया आयाम दे रही है।

सैमसंग गैलेक्सी एम 17 ई 5 जी की भारत में बिक्री शुरू

गुरुग्राम। सैमसंग ने आज गैलेक्सी एम 17 ई 5 जी की बिक्री की घोषणा की, जो प्रमुख स्मार्टफोन फीचर्स के साथ विश्वसनीय प्रदर्शन और रोजमर्रा की उपयोगिता प्रदान करता है। गैलेक्सी एम 17 ई 5 जी एक स्मूथ डिस्प्ले, लंबे समय तक चलने वाली बैटरी, कुशल प्रदर्शन, सक्षम कैमरा और इंटेलिजेंट सॉफ्टवेयर के साथ आता है और युवा भारतीय उपभोक्ताओं की गतिशील जरूरतों को पूरा करता है। आज से, गैलेक्सी एम 17 ई सैमसंग डॉट कॉम, अमेज़न और चुनिंदा रिटेल आउटलेट्स पर 13999 रुपये की शुरुआती कीमत पर बिक्री के लिए उपलब्ध होगा।

गैलेक्सी एम सीरीज़ सैमसंग के सबसे लोकप्रिय स्मार्टफोन लाइन-अप में से एक है, और गैलेक्सी एम 17 ई 5 जी इसी विरासत को आगे बढ़ाता है। गैलेक्सी एम 17 ई 5 जी में 120 ॥5 की रिफ्रेश रेट के साथ 6.7-इंच की स्क्रीन दी गई है, जो यह सुनिश्चित करती है कि हर स्क्रॉल, स्वाइप और टैप सहज महसूस हो। चाहे आप अपना पसंदीदा ओटीटी कंटेंट स्ट्रीम कर रहे हों या सोशल मीडिया ब्राउज़ कर रहे हों, इसका डिस्प्ले सटीक रंगों और स्पष्ट क्लैरिटी के साथ विजुअल्स पेश करता है। वाइब वॉयलेट और ब्लिट्ज़ ब्लू रंगों में उपलब्ध, गैलेक्सी एम 17 ई 5 जी आकर्षक सुंदरता के साथ कार्यात्मक डिज़ाइन का मिश्रण है। इसका टिकाऊ ग्लास फाइबर रीइन्फोर्स्ड पॉलीमर बैक और धूल व पानी से सुरक्षा की रेटिंग वाला मजबूत निर्माण, सक्रिय जीवनशैली वाले युवा उपयोगकर्ताओं के लिए इसे एक भरोसेमंद साथी बनाता है, जबकि इसका एर्गोनोमिक 8.2mm स्लिम प्रोफाइल हाथ में पकड़ने में आरामदायक महसूस होता है।

अमेरिका में लगे आंशिक शटडाउन से हवाई यात्रा पर पड़ रहा असर

वाशिंगटन एजेंसी। संयुक्त राज्य अमेरिका में 14 फरवरी से आंशिक सरकारी शटडाउन लगा हुआ है, जिसका असर एक बड़े विभाग होमलैंड सिक्योरिटी पर देखने को मिल रहा है। होमलैंड सिक्योरिटी विभाग या डीएचएस, डेमोक्रेट्स और रिपब्लिकन्स के बीच चल रही राजनीतिक लड़ाई में फंसा हुआ है।

मिनियापोलिस में फेडरल इमिग्रेशन एजेंटों के हाथों दो अमेरिकी नागरिकों एलेक्स प्रेटी और रेनी गुड की मौत हो गई, जिसके बाद डेमोक्रेट्स के गुस्से से डीएचएस के लिए फंडिंग को लेकर बातचीत फेल हो गई।

अमेरिका में शटडाउन से हवाई यात्रा प्रभावित

अमेरिका में लगे इस आंशिक शटडाउन का सबसे ज्यादा असर देश के हवाई अड्डों पर देखने को मिल रहा है। ट्रांसपोर्टेशन सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेशन इसी विभाग के अधीन आता है और शटडाउन की वजह से इसके कर्मचारियों को वेतन नहीं मिल पा रहा है। कर्मचारियों को आखिरी वेतन दो हफ्ते से भी ज्यादा समय पहले मिला था और उसमें भी उनके वेतन का कुछ हिस्सा ही दिया गया। कुछ ज्ञ्ज्र कर्मचारियों ने इसके जवाब में नौकरी छोड़ दी है, जबकि कुछ ने बिना बताए छुट्टी ले ली है। इसका नतीजा यह हुआ है कि कर्मचारियों की कमी के चलते हवाई अड्डों पर लंबी कतारें लग रही हैं और उड़ानों में देरी हो रही है। सुरक्षा अधिकारियों की टीम में लगभग 50,000 लोग शामिल हैं। हवाई अड्डों पर यात्रियों, उनके सामान और कार्गो की जांच-पड़ताल करने की जिम्मेदारी इन्हीं अधिकारियों की होती है। डीएचएस एक सरकारी विभाग है जो देश को सुरक्षा खतरों से बचाता है। इसमें आतंकवाद साइबर हमले और सीमा से जुड़े जोखिम शामिल हैं। इस विभाग को 11 सितंबर, 2001 को अमेरिका पर हुए हमलों के बाद 2002 में बनाया गया था। फरवरी की शुरुआत में, कांग्रेस ने 1.2 ट्रिलियन डॉलर का एक खर्च पैकेज पास किया था, ताकि सितंबर तक संघीय सरकार का कामकाज चलता रहे। लेकिन इसमें एक बड़ी शर्त थी, होमलैंड सिक्योरिटी विभाग के लिए फंडिंग पर अलग से वोटिंग की जाएगी। डेमोक्रेट्स ने डीएचएस की फंडिंग का समर्थन करने से तब तक इनकार कर दिया, जब तक कि इमिग्रेशन से जुड़ी नीतियों में बदलाव न किए जाएं।

एआई और एमआरएनए ने मिलकर बनाई जादुई कैंसर वैक्सीन

कैनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के टेक एंटरप्रेन्योर पॉल कनिंघम के पालतू डॉग रोजी की यह कहानी केवल भावुक करने वाली नहीं बल्कि भविष्य के मेडिकल साइंस की एक झलक है।

रोजी को मास्ट सेल ट्यूमर नाम का एक खतरनाक स्किन कैंसर था। कुत्तों में यह कैंसर काफी आम है जो शरीर में हिस्टामिन रिलीज करता है जिससे भयंकर सूजन और दर्द होता है। रोजी की सर्जरी और कीमोथेरेपी की गई लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ और उसकी हालत लगातार बिगड़ने लगी। जब डॉक्टरों ने हाथ खड़े कर दिए तो पॉल ने हार नहीं मानी। उन्होंने डेटा और तकनीक का इस्तेमाल किया। सबसे पहले रोजी के ट्यूमर का डीएनए टेस्ट किया गया ताकि कैंसर के खास पैटर्न को पहचाना जा सके। इसी डेटा के आधार पर रोजी के लिए एक पर्सनलाइज्ड एमआरएनए वैक्सीन तैयार की गई। यह एक आकार सभी में फिट बैठता है वाला तरीका नहीं था बल्कि खास तौर पर सिर्फ रोजी के कैंसर सेल्स से लड़ने के लिए बनाया गया था। ठीक वैसे ही जैसे कोविड वैक्सीन काम करती है इस वैक्सीन ने रोजी के इम्यून सिस्टम को सिखाया कि कैंसर सेल्स को पहचानकर उन्हें कैसे खत्म करना है।

वैक्सीन और इम्यून थेरेपी के कॉम्बिनेशन का असर चमत्कारिक रहा: कुछ ही समय में बड़े ट्यूमर छोटे होने लगे। जो रोजी चलने-फिरने में लाचार थी, उसकी ताकत और फुर्ती वापस आ गई। हालांकि यह पूरी तरह से क्योर नहीं था लेकिन इसने रोजी की जिंदगी की गुणवत्ता को कई गुना बढ़ा दिया। वैज्ञानिकों का मानना है कि रोजी पर किया गया यह सफल प्रयोग भविष्य में इंसानों के लिए कैंसर मुक्त दुनिया का रास्ता खोल सकता है। फिलहाल इंसानों पर भी पर्सनलाइज्ड एमआरएनए वैक्सीन के ट्रायल चल रहे हैं। सबसे बड़ी चुनौती इस तकनीक को सस्ता और कम समय में तैयार करने की है।

नेतन्याहू बोले- यूएस को युद्ध में हमने नहीं घसीटा, दावा - ईरान की परमाणु-मिसाइल क्षमता लगभग खत्म

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान के साथ चल रहे युद्ध को लेकर बड़े दावे किए हैं। उन्होंने कहा, इस्राइल और अमेरिका के साझा हवाई हमलों के बाद अब ईरान के पास यूरेनियम संवर्धन करने या बैलिस्टिक मिसाइल बनाने की ताकत नहीं बची है। नेतन्याहू के अनुसार, इस्राइल यह युद्ध जीत रहा है और ईरान की सैन्य शक्ति लगभग तबाह हो चुकी है। विदेशी मीडिया से बात करते हुए नेतन्याहू ने कहा कि इस्राइली सेना उन कारखानों को निशाना बना रही है, जहां मिसाइल और परमाणु हथियारों के पुर्जे बनते थे। उन्होंने दावा किया कि ईरान का मिसाइल और ड्रोन भंडार अब खत्म होने की कगार पर है। हालांकि, उन्होंने ईरान की परमाणु क्षमता खत्म होने के दावों के पक्ष में कोई ठोस सबूत पेश नहीं किया।

नेतन्याहू ने उन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया कि उन्होंने अमेरिका को इस युद्ध में जबरदस्ती घसीटा है। उन्होंने कहा कि इस्राइल ने ईरान में जो भी कार्रवाई की, वह उसका अपना स्वतंत्र फैसला था। उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बचाव करते हुए कहा, 'क्या किसी को सच में लगता है कि राष्ट्रपति ट्रंप को कोई बता सकता है कि उन्हें क्या करना है?' नेतन्याहू के मुताबिक, ट्रंप हमेशा वही फैसला लेते हैं जो अमेरिका के लोगों के लिए अच्छा होता है। उन्होंने कहा कि इस्राइल और अमेरिका की सेनाएं और खुफिया एजेंसियां मिलकर काम कर रही हैं, जिससे युद्ध के लक्ष्य तेजी से पूरे हो रहे हैं। अपनी सेहत को लेकर चल रही अफवाहों पर चुटकी लेते हुए नेतन्याहू ने कहा, 'सबसे पहले मैं यह कहना चाहता हूं कि मैं जिंदा हूं।

फिर विवादों में जोहरान ममदानी की पत्नी, फलस्तीन के समर्थन में पुराने पोस्ट वायरल

न्यूयॉर्क , एजेंसी। न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी की पत्नी और शहर की प्रथम महिला रमा दुवाजी जांच के दायरे में आ गई हैं। रमा दुवाजी पर नस्लीय टिप्पणी और फलिस्तीनी उग्रवादी नेताओं के समर्थन में पोस्ट करने के आरोप लगे हैं।

वाशिंगटन फ्री बीकन की रिपोर्ट में 28 वर्षीय रमा दुवाजी की 2013 से 2017 के बीच सोशल मीडिया पोस्ट के बारे में बताया गया है।

ममदानी की पत्नी पर लगे गंभीर आरोप

वाशिंगटन फ्री बीकन की रिपोर्ट के मुताबिक, रमा दुवाजी ने अपनी किशोरावस्था के अंतिम वर्षों में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के अकाउंट से विवादित पोस्ट शेयर किए।

रिपोर्ट के अनुसार, रमा दुवाजी ने 2013 में, सोशल मीडिया पोस्ट में एक नस्लीय गाली का इस्तेमाल किया। उस समय उनकी उम्र करीब 15 साल रही होगी। रिपोर्ट में पॉपुलर फ्रंट फॉर द लिबरेशन ऑफ पैलेस्टाइन से जुड़े लोगों की प्रशंसा करने वाली पोस्ट के बारे में भी बताया गया है। अमेरिका इसे एक आतंकवादी संगठन मानता है।

रमा दुवाजी ने 2013 से 2017 के बीच एक पोस्ट रीशेयर किया था। इस पोस्ट में लिखा था, तेल अवीव को धिक्कार है। उसे तो अस्तित्व में ही नहीं होना चाहिए। वे कब्जा करने वाले हैं। रिपोर्ट में दुवाजी के सोशल मीडिया पर शेयर किए गए कई पोस्ट के बारे में भी जानकारी दी गई है। दुवाजी ने एक और पोस्ट रीशेयर किया था, जिसमें लिखा था, उन्हें दिखाओ कि फलस्तीन में रातोंरात पिंजरों में बंद, जिंदा जलाए गए और भूख से मर गए बच्चों को। रिपोर्ट में अमेरिकी सेना और इजरायल की आलोचना करने वाली पोस्ट का जिक्र भी किया गया है। रमा दुवाजी का एक और पोस्ट सामने आया है, जिसमें उन्होंने अमेरिकी सेना के बारे में लिखा है कि न तो वे बहादुर हैं और न ही किसी की आजादी के लिए लड़ रहे हैं।

आंतों की समस्या बन सकती है कैंसर की वजह

वैज्ञानिकों ने किया चौंकाने वाला खुलासा

लंदन , एजेंसी। दुनियाभर में कैंसर के बढ़ते मामलों के बीच वैज्ञानिकों ने एक अहम खोज की है, जो आंत में रहने वाले बैक्टीरिया और कोलन कैंसर के बीच संबंध को और स्पष्ट करती है। अमेरिका के शोधकर्ताओं द्वारा की गई यह स्टडी प्रतिष्ठित जर्नल में प्रकाशित हुई है। इस शोध में पहली बार विस्तार से बताया गया है कि आंत में मौजूद कुछ बैक्टीरिया हमारे डीएनए को किस तरह नुकसान पहुंचाकर कैंसर का खतरा बढ़ा सकते हैं।

हमारी आंत में कई तरह के बैक्टीरिया रहते हैं, जिन्हें मिलाकर गट माइक्रोबायोम कहा जाता है। इनमें से कुछ बैक्टीरिया हमारे पाचन तंत्र के लिए फायदेमंद होते हैं। लेकिन कुछ खास प्रकार के बैक्टीरिया एक जहरीला पदार्थ (टॉक्सिन) बनाते हैं, जिसे कोलिबैक्टिन कहा जाता है।

सामान्य स्थिति में ये बैक्टीरिया नुकसान नहीं पहुंचाते, लेकिन कुछ परिस्थितियों में यही टॉक्सिन शरीर के लिए खतरनाक बन सकता है। वैज्ञानिकों को पहले से अंदाजा था कि कोलिबैक्टिन डीएनए को नुकसान पहुंचा सकता है और इसका संबंध कोलोरेक्टल कैंसर से हो सकता है, लेकिन इसे विस्तार से समझना मुश्किल था क्योंकि यह टॉक्सिन बहुत जल्दी टूट जाता है।

इस नए शोध में वैज्ञानिकों ने आधुनिक तकनीकों जैसे मास स्पेक्ट्रोमेट्री और न्यूक्लियर मैग्नेटिक रेजोनेंस का इस्तेमाल किया। इन तकनीकों की मदद से उन्होंने कोलिबैक्टिन के काम करने के तरीके को गहराई से समझा। रिसर्च में सामने आया कि यह टॉक्सिन डीएनए को किसी भी जगह नुकसान नहीं पहुंचाता, बल्कि खास हिस्सों को निशाना बनाता है। यह डीएनए के उन भागों पर असर करता है, जहां एडेनिन और थाइमिन की मात्रा अधिक होती है।

कोलिबैक्टिन डीएनए की दोनों स्ट्रैंड्स को आपस में जोड़ देता है, जिसे वैज्ञानिक भाषा में इंटरस्ट्रैंड क्रॉस-लिंक कहा जाता है। इससे डीएनए सही तरीके से कॉपी (रिप्लिकेट) या खुद की मरम्मत (रिपेयर) नहीं कर पाता। यही गड़बड़ी आगे चलकर कैंसर का कारण बन सकती है।

शोध में यह भी पाया गया कि यह टॉक्सिन डीएनए के एक खास हिस्से, जिसे माइनर ग्रूव कहा जाता है, में जाकर चिपकता है। इसकी बनावट ऐसी होती है कि यह बिल्कुल सही जगह पर फिट हो जाता है ठीक लॉक और की (ताला-चाबी) की तरह। इससे वैज्ञानिकों को यह समझने में मदद मिली कि कोलोरेक्टल कैंसर के कई मरीजों में एक जैसे डीएनए बदलाव क्यों देखने को मिलते हैं। यह जानकारी भविष्य में कैंसर की बेहतर पहचान और इलाज के लिए बहुत उपयोगी हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस खोज के आधार पर आने वाले समय में: ऐसे टेस्ट विकसित किए जा सकते हैं, जो आंत में मौजूद खतरनाक बैक्टीरिया की पहचान कर सकें नई दवाएं बनाई जा सकती हैं, जो कोलिबैक्टिन बनने से रोकें।

अफगानिस्तान पर हमला कर इस्लामी दुनिया के निशाने पर आया पाकिस्तान, मुस्लिम धर्मगुरुओं ने की निंदा

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान पर हवाई हमला कर 400 लोगों की जान लेने के चलते पाकिस्तान इस्लामी दुनिया के भी निशाने पर आ गया है। अंतरराष्ट्रीय मुस्लिम विद्वान संघ ने अफगानिस्तान पर पाकिस्तान के हवाई हमले की कड़ी निंदा की है। अफगानिस्तान के टोलो न्यूज ने यह जानकारी दी है। मुस्लिम विद्वानों ने पाकिस्तानी हमले को इस्लामी सिद्धांतों और अंतरराष्ट्रीय कानून, दोनों का उल्लंघन बताया। टोलो न्यूज के अनुसार, मुस्लिम धर्मगुरुओं ने अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव पर चिंता जताते हुए पाकिस्तान और उसके सैन्य नेतृत्व से इस तरह की कार्रवाईयों को तुरंत रोकने की अपील की और साथ ही रिहैब अस्पताल पर हवाई हमले की जांच कराने की भी मांग की। मुस्लिम धर्मगुरुओं के संघ ने जांच के लिए पारदर्शी, स्वतंत्र आयोग का गठन करने की अपील भी की। इससे पहले पाकिस्तान ने ईद-उल-फितर के चलते मित्र इस्लामी देशों के अनुरोध पर अफगान तालिबान के खिलाफ चल रहे ऑपरेशन गजब लिल हक को अस्थायी तौर पर रोकने का फैसला किया है। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने बुधवार को यह जानकारी दी। तरार ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा, 'आगामी इस्लामी त्योहार ईद-उल-फितर के मद्देनजर, अपनी पहल पर और साथ ही सऊदी अरब साम्राज्य, कतर और तुर्किये जैसे मित्र इस्लामी देशों के अनुरोध पर, इस्लामी गणराज्य पाकिस्तान की सरकार ने अफगानिस्तान में आतंकवादियों और उनके ठिकानों के खिलाफ ऑपरेशन गजब लिल हक को अस्थायी विराम देने का फैसला किया है।' अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में बीते दिनों एक अस्पताल पर हुए पाकिस्तानी हवाई हमले में कम से कम 400 लोग मारे गए और करीब 250 घायल हो गए।

होर्मुज संकट: 3000 मासिक ट्रैफिक था, अब मुट्ठीभर टैंकरों की ही आवाजाही

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच दुनिया की ऊर्जा लाइफलाइन माने जाने वाले होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही ठहर सी गई है। जहां सामान्य समय में हर महीने करीब 3,000 जहाज इस मार्ग से गुजरते थे, वहीं युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक केवल 21 टैंकर ही इस रास्ते से निकल पाए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि स्थिति जल्द नहीं सुधरी, तो वैश्विक तेल आपूर्ति में प्रतिदिन एक करोड़ बैरल तक की कमी आ सकती है। हॉर्मुज स्ट्रेट अब युद्ध का केंद्र बन गया है। 1 से 15 मार्च के बीच चीन से जुड़े 11 जहाजों ने इस मार्ग का इस्तेमाल किया, जबकि भारत ने 14 मार्च को बताया कि उसके झंडे वाले दो एलपीजी टैंकर सुरक्षित रूप से इस रास्ते से गुजर चुके हैं। हॉर्मुज में संकट का सीधा असर वैश्विक ऊर्जा बाजार पर पड़ा है। रॉयटर्स के अनुसार कच्चे तेल की कीमतें करीब 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई हैं, जो इस साल लगभग 70 प्रतिशत और पिछले साल के मुकाबले करीब 50 प्रतिशत अधिक हैं। इस संकट का सबसे बड़ा असर एशियाई देशों पर पड़ने की आशंका है। चीन अकेले ईरान के निर्यातित तेल का लगभग 90 प्रतिशत खरीदता है।

एपस्टीन ने मुझे धोखा दिया, नॉर्वे की क्राउन प्रिंसेस का बड़ा खुलासा; रिश्ते पर दी सफाई

वाशिंगटन, एजेंसी। नॉर्वे की क्राउन प्रिंसेस मेटे-मैरिट ने अमेरिकी यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन के साथ अपने रिश्ते को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि उन्हें इस रिश्ते में गुमराह और धोखा दिया गया था। इस बयान के बाद नॉर्वे में इस मुद्दे पर फिर से चर्चा तेज हो गई है।

नॉर्वे के सार्वजनिक प्रसारक एनआरके को दिए इंटरव्यू में मेटे-मैरिट ने कहा कि काश वह कभी जेफ्री एपस्टीन से नहीं मिली होतीं। उन्होंने माना कि उन्होंने उसके अतीत की ठीक से जांच नहीं की और इसी वजह से वह उसके झांसे में आ गईं। मेटे-मैरिट का नाम इस साल अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा जारी दस्तावेजों में सामने आया था, जिसमें उनके और एपस्टीन के बीच करीबी संबंधों का जिक्र था। इससे नॉर्वे में यह सवाल भी उठने लगे कि क्या वह भविष्य में रानी बन सकती हैं। मेटे-मैरिट ने इंटरव्यू में साफ किया कि उनका और जेफ्री एपस्टीन का रिश्ता केवल दोस्ती तक ही सीमित था। उन्होंने कहा कि अगर कोई और तरह के रिश्ते की बात हो रही है तो उसका जवाब नहीं है। जेफ्री एपस्टीन ने 2008 में एक नाबालिग से जुड़े यौन अपराध को स्वीकार किया था और 2019 में सेक्स ट्रैफिकिंग मामले की सुनवाई के दौरान उसकी मौत हो गई थी। यह मामला ऐसे समय में सामने आया है जब वह पहले से ही निजी चुनौतियों का सामना कर रही हैं। उनके 29 वर्षीय बेटे मारियस बोर्ग होइबी पर 38 गंभीर आरोप लगे हैं, जिनमें चार महिलाओं के साथ दुष्कर्म और पूर्व गर्लफ्रेंड्स के साथ मारपीट शामिल है।

दक्षिण कोरिया में ऑटो पार्ट्स बनाने वाली फैक्ट्री में भीषण आग, 50 घायल; राहत कार्य जारी

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया के मध्य शहर डेजॉन में शुक्रवार दोपहर एक ऑटो पार्ट्स फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। आग लगने से कम से कम 50 लोग घायल हो गए। आग बुझाने के लिए मौके पर 200 से अधिक दमकलकर्मियों और 70 वाहनों को तैनात किया गया है। राष्ट्रीय अग्निशमन एजेंसी ने बताया कि 35 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। लेकिन वे तुरंत इस बात की पुष्टि नहीं कर सके कि क्या किसी की जान को खतरा है।

यह घटना स्थानीय समयानुसार शुक्रवार दोपहर 1:17 बजे की बताई जा रही है। घटनास्थल से मिले वीडियो में फैक्ट्री परिसर से घना, भूरे रंग का धुआं उठता हुआ दिखाई दे रहा है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि फैक्ट्री के अंदर कितने कर्मचारी फंसे हुए हैं, राष्ट्रीय अग्निशमन एजेंसी ने चेतावनी दी कि हताहतों की संख्या बढ़ सकती है। अधिकारियों ने आग लगने के संभावित कारण पर तुरंत कोई टिप्पणी नहीं की। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए राष्ट्रपति ली जे म्युंग के बाद सरकार के दूसरे सबसे बड़े अधिकारी, प्रधानमंत्री किम मिन-सियोक ने आग पर काबू पाने और बचाव अभियान चलाने के लिए कर्मियों और उपकरणों की पूरी तरह से तैनाती का निर्देश दिया। फिलहाल राहत और बचाव का कार्य जारी है।

ब्रीफ न्यूज

इंदौर में राज्य स्तरीय वॉलीबॉल स्पर्धा आज; दिग्गज टीमें दिखाएंगी दम

इंदौर। इंदौर के किला मैदान रोड स्थित सीटीसी वॉलीबॉल क्लब के मैदान पर रविवार, 22 मार्च को राज्य स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता होने जा रही है। एक दिन की इस स्पर्धा में मध्य प्रदेश की कई दिग्गज टीमें खिताब के लिए आपस में भिड़ेंगी। हाईलिंक ग्रुप के वीरेंद्र गुप्ता इस आयोजन के मुख्य प्रायोजक हैं।

स्पर्धा सचिव नरेश दुबे और अध्यक्ष गोवर्धन रघुवंशी ने बताया कि इस टूर्नामेंट में इंदौर और भोपाल के अलावा उज्जैन, देवास, धार, झाबुआ और पिपलियाहाना की मशहूर टीमें शामिल हो रही हैं। खास बात यह है कि ये सभी मुकाबले मिट्टी के कोर्ट पर दूधिया रोशनी (फ्लड लाइट) में खेले जाएंगे। इस बार मुकाबले बेहद रोमांचक की उम्मीद है, क्योंकि ब्रदर्स क्लब और एमटीएच जैसी दिग्गज टीमों के साथ मेजबान सीटीसी क्लब की ए और बी टीमें भी मैदान पर उतरेंगी। हालांकि सबकी नजरें साल 2024 की विजेता उज्जैन व गत वर्ष संयुक्त रूप से विजेता रही ब्रदर्स क्लब और सिकंदर क्लब (पिपलियाहाना) पर टिकी होंगी, जिनके सामने इस बार अपना दबदबा बरकरार रखने की कड़ी चुनौती होगी।

विजेता टीम को 8,000 रुपये और उपविजेता को 5,000 रुपये का नकद इनाम और ट्रॉफी दी जाएगी। तीसरे नंबर पर रहने वाली टीम को 3,000 रुपये मिलेंगे। इसके अलावा अच्छा खेल दिखाने वाले खिलाड़ियों को बेस्ट प्लेयर, शूटर और डिफेंडर जैसे व्यक्तिगत पुरस्कारों से भी नवाजा जाएगा।

आयोजन समिति ने बताया कि सभी टीमों को रविवार सुबह 10 बजे तक मैदान पर पहुंचना जरूरी है। टूर्नामेंट की सफलता के लिए विशाल रघुवंशी, दिलीप दुबे और नरेंद्र यादव सहित पूरी टीम तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटी है।

भोपाल में दो दिवसीय सीनियर नेशनल कराटे चैंपियनशिप 23 मार्च से

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल एक बार फिर राष्ट्रीय खेल मानचित्र पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराने जा रही है। कराटे एसोसिएशन ऑफ इंडिया (केएआई) के तत्वावधान में आयोजित होने वाली प्रतिष्ठित 'सीनियर नेशनल कराटे चैंपियनशिप-2026' का आगाज 23 मार्च से एलएनसीटी यूनिवर्सिटी के परिसर में होने जा रहा है। एमेच्योर कराटे एसोसिएशन, मध्य प्रदेश द्वारा आयोजित इस दो दिवसीय महाकुंभ में देशभर के 19 राज्यों से लगभग 450 उत्कृष्ट खिलाड़ी अपनी प्रतिभा और तकनीकी कौशल का लोहा मनवाएंगे। यह आयोजन न केवल एक खेल स्पर्धा है, बल्कि अनुशासन, मानसिक दृढ़ता और राष्ट्रीय एकता का एक जीवंत प्रतीक भी है।

इस गौरवशाली आयोजन की मेजबानी मध्य प्रदेश को दिलाने में कराटे एसोसिएशन ऑफ इंडिया के उपाध्यक्ष और साउथ-वेस्ट कराटे एसोसिएशन के चेयरमैन डॉ. पंकज शुक्ल की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। डॉ. शुक्ल ने चैंपियनशिप के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कराटे केवल आत्मरक्षा की कला नहीं, बल्कि जीवन जीने का एक संस्कार है जो व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक रूप से सुदृढ़ बनाता है। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं के सशक्तिकरण पर जोर देते हुए 'श्रृंगार बने हथियार' की संकल्पना को साझा किया। उनका मानना है कि कराटे के माध्यम से युवतियां न केवल आत्मनिर्भर बनेंगी, बल्कि उनमें साहस और आत्मविश्वास का नया संचार भी होगा।

रवांडा की 15 साल की फैनी सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाली महिला क्रिकेटर बनी

लागोस। रवांडा की 15 साल की फैनी उतागुशिमानिंदे ने महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे कम उम्र में शतक लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया है। फैनी ने नाइजीरिया इनविटेशनल महिला टी20 टूर्नामेंट में घाना के खिलाफ ये शतक लगाया।

फैनी उम्र अभी केवल 15 साल और 223 दिन ही है। इसी के साथ ही फैनी महिला टी20आई इतिहास में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाली पहली खिलाड़ी बन गयी हैं। उन्होंने पारी के 18वें ओवर में शतक लगाया। फैनी से पहले ये रिकार्ड युगांडा की प्रोस्कोविया अलाको के नाम था। प्रोस्कोविया ने साल 2019 में 16 साल और 233 दिन की उम्र में माली के खिलाफ शतकीय पारी खेली थी।

फैनी ने इस बार नाबाद 111 रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया की करेन रोल्टन का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2005 में इंग्लैंड के खिलाफ नाबाद 96 रन बनाए थे। फैनी के रिकॉर्ड शतक की सहायता से रवांडा ने 20 ओवर में तीन विकेट पर 210 रन बनाये। इसके बाद घाना को 8 विकेट पर 88 रन ही बना पायी और उसे 122 रन से हार का सामना करना पड़ा। वहीं पुरुष टी20आई में सबसे कम उम्र में शतक लगाने का रिकॉर्ड फ्रांस के गुस्ताव मैक्योन के नाम है। उन्होंने 2022 में स्विट्जरलैंड के खिलाफ 18 साल और 280 दिन की उम्र में शतक लगाया था।

चोट के कारण सात किलो तक घट गया था श्रेयस अय्यर का वजन

नईदिल्ली। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर पिछले कुछ समय से चोट से परेशान रहे थे। उन्होंने आईपीएल 2026 सीजन शुरू होने से पहले बताया है कि किस तरह उनका वजन सात किलो तक घट गया था।

श्रेयस अय्यर का पंजाब किंग्स के कप्तान के तौर पर पिछले सीजन कार्यकाल अच्छा रहा था और उन्होंने टीम को फाइनल तक पहुंचाया था। हालांकि, खिताबी मुकाबले में पंजाब को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के हाथों हार झेलनी पड़ी थी। इन सबके बीच श्रेयस के लिए निजी तौर पर पिछले एक साल से चीजें सही नहीं चल रही हैं। उन्हें पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के दौरान चोट लगी थी जिस कारण वह अस्पताल में भी भर्ती रहे थे। अब श्रेयस ने बताया है कि इस चोट के कारण उनका वजन सात किलो तक घट गया था।

श्रेयस बोले- चोट से उबरना चुनौतीपूर्ण होता है

आईपीएल 2026 का सीजन 28 मार्च से शुरू हो रहा है और श्रेयस एक बार फिर पंजाब किंग्स की कमान संभालते नजर आएंगे। श्रेयस ने कहा, चोट से उबरना हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है। गंभीर चोट के कारण मेरा लगभग सात किलो वजन कम हो गया था। शुक्र है कि दो महीने बाद मैं फिर से अच्छी स्थिति में आ गया। लेकिन उन सात किलो वजन को वापस पाने में काफी मेहनत लगी। मुझे चुनौतियां पसंद हैं और यह एक ऐसी ही चुनौती थी जिसे मुझे पार करना था। मुझे खुशी है कि मैं उस दौर से बाहर निकल आया और अपनी टीम का प्रतिनिधित्व करने के लिए वापस आ गया हूं, साथ ही पिछली सीरीज में भारत का प्रतिनिधित्व भी किया था।

वर्ल्ड कप से पहले क्रिस्टायनो रोनाल्डो चोटिल

मेक्सिको-अमेरिका के खिलाफ फ्रेंडली मैच से बाहर

कोच बोले-चोट मामूली, 1-2 हफ्ते में वापसी; WC में खेलना तय

मुंबई। पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो को मैक्सिको और अमेरिका के खिलाफ होने वाले वर्ल्ड कप प्री-फ्रेंडली मैचों के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया है। 41 साल के रोनाल्डो फरवरी के अंत से ही अपने क्लब अल-नसर के लिए भी मैदान पर नहीं उतरे हैं। हालांकि, पुर्तगाल के हेड कोच रॉबर्टो मार्टिनेज ने साफ किया है कि उनकी चोट गंभीर नहीं है और वर्ल्ड कप टीम में उनकी जगह पक्की है। फीफा वर्ल्ड कप 2026 का आयोजन 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका। मेक्सिको और कनाडा में होगा।

हैमस्ट्रिंग इंजरी की वजह से बाहर हुए रोनाल्डो

कोच रॉबर्टो मार्टिनेज ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि रोनाल्डो हैमस्ट्रिंग की समस्या से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा, 'यह एक मामूली चोट है। रोनाल्डो अगले एक या दो हफ्तों में मैदान पर वापसी कर सकते हैं। इस सीजन में क्रिस्टियानो ने अपनी फिटनेस पर जो काम किया है, वह शानदार है। उनकी शारीरिक क्षमता को देखते हुए फिलहाल कोई बड़ी समस्या नजर नहीं आती।

पुर्तगाल कोलंबिया और उज्बेकिस्तान के साथ ग्रुप K में रखा गया है

पुर्तगाल को ग्रुप-के में रखा गया है। इस ग्रुप में पुर्तगाल के साथ कोलंबिया और उज्बेकिस्तान की टीमें शामिल हैं। चौथी टीम का फैसला प्ले-ऑफ के जरिए होगा, जिसमें न्यू कैलेडोनिया, जमैका या डीआर कांगो में से कोई एक टीम ग्रुप में शामिल हो सकती है।

वर्ल्ड कप में रोनाल्डो और रामोस संभालेंगे फॉरवर्ड लाइन

कोच ने वर्ल्ड कप की प्लानिंग को लेकर कहा कि टूर्नामेंट में सेंटर-फॉरवर्ड की भूमिका क्रिस्टियानो रोनाल्डो और गोंसालो रामोस ही निभाएंगे। मार्टिनेज के मुताबिक, वर्ल्ड कप की फाइनल टीम चुनने से पहले यह आखिरी ट्रेनिंग कैंप है, इसलिए वे कुछ नए प्रयोग करना चाहते हैं। रोनाल्डो की गैरमौजूदगी में अन्य खिलाड़ियों को परखने का यह कोच के पास आखिरी मौका होगा।

पंजाब किंग्स के कप्तान ने किया खुलासा

फ्रेंचाइजी का बिगड़ा समीकरण

दो टीमें सबसे ज्यादा प्रभावित; 4 खिलाड़ी पूरे सत्र से बाहर

मुंबई। आईपीएल 2026 की शुरुआत से पहले ही खिलाड़ियों की चोटों ने फ्रेंचाइजी की चिंताएं बढ़ा दी हैं। केकेआर हो या सनराइजर्स हैदराबाद, लगभग हर टीम में कोई ना कोई खिलाड़ी चोटिल है जिस कारण टीमों का संयोजन बिगड़ रहा है। खिलाड़ियों की चोटों ने आईपीएल टीमों की चिंता बढ़ा दी है। 28 मार्च से शुरू होने वाले टूर्नामेंट से पहले हर्षित राणा और सैम करन समेत चार खिलाड़ी पूरे सत्र से बाहर हो गए हैं, जबकि 11 खिलाड़ी शुरुआती मैचों में नहीं खेलेंगे। इनमें ज्यादातर विदेशी खिलाड़ी हैं। चोटिल खिलाड़ियों में तेज गेंदबाज और ऑलराउंडर की संख्या अधिक है। चोटों का असर सबसे ज्यादा ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों पर है। इनमें सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस पहले दौर के मैचों में नहीं खेलेंगे। उनकी जगह ईशान किशन को कप्तानी सौंपी गई है।

हेजलवुड का खेलना संदिग्ध

दिल्ली कैपिटल्स के मिचेल स्टार्क और चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बंगलूरू (आरसीबी) के जोश हेजलवुड का टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में खेलना संदिग्ध है। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज नाथन एलिस पूरे टूर्नामेंट से और ऑलराउंडर मैथ्यू शॉर्ट शुरुआती मैचों से बाहर हो गए हैं। राजस्थान रॉयल्स के लिए शुक्रवार को निराशाजनक खबर आई, जब उसके तेज गेंदबाज ऑलराउंडर सैम करन चोट की वजह से पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए। पंजाब किंग्स और चेन्नई के लिए खेल चुके 27 वर्ष के करन को आईपीएल 2023 सत्र में पंजाब ने उन्हें 18.5 करोड़ रुपये में लिया था, लेकिन चोट के कारण वह बाहर ही रहे। इस साल राजस्थान ने उन्हें ट्रेड में कप्तान संजू सैमसन की जगह चेन्नई से अपने साथ जोड़ा था। पंजाब किंग्स की टीम में शामिल न्यूजीलैंड के लॉकी फर्ग्यूसन चोटिल नहीं हैं, लेकिन वह अपने परिवार को समय देने के लिए करीब आधे टूर्नामेंट में शामिल नहीं हो सकेंगे। खिलाड़ियों की चोटों और शुरुआती मैचों से बाहर होने की वजह से फ्रेंचाइजियों का टीम संयोजन गड़बड़ा गया है।

आईपीएल में अब तक सबसे सबसे अधिक छक्के मारने वाली टीम है

मुम्बई। इस माह के अंत में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 19 वां सत्र शुरु होगा। आईपीएल के इस सत्र में एक बार फिर दुनिया भर के क्रिकेटर भारत में खेलते दिखेंगे। विश्व क्रिकेट की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग के तौर पर पहचान बनाने वाली आईपीएल में जमकर चौके, छक्के लगते हैं। इस बार भी प्रशंसकों को इसमें बड़े शॉट देखने को मिलेंगे। इस लीग में हमेशा ही नये रिकार्ड बनते रहे हैं। इसी में से एक है सबसे अधिक छक्के का रिकार्ड। ये रिकार्ड पांच बार की विजेता मुम्बई इंडियंस के नाम है। मुंबई की टीम ने साल 2008 से 2025 तक कुल 1823 से अधिक छक्के लगाये हैं। टीम ने अब तक कुल 277 मैचों खेलते हुए हर मैच में औसतन 6.44 छक्के लगाए गए हैं। वहीं मुम्बई की ओर से खेलते हुए रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पांड्या ने काफी छक्के लगाए हैं। रोहित ने ही अकेले 300 से अधिक छक्के लगाये हैं। रोहित की कप्तानी में टीम ने पांच बार खिताब भी जीता है पर अब टीम की कप्तानी हार्दिक पंड्या के पास है।

पाकिस्तानी खिलाड़ी का वो रिकॉर्ड, जिसे तोड़ने में लगा गए 11 सीजन

आस-पास भी नहीं पहुंचा कोई भारतीय क्रिकेटर

दिल्ली। आईपीएल 2008 सीजन में पाकिस्तान के तेज गेंदबाज सोहेल तनवीर ने राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हुए एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मात्र 14 रन देकर 6 विकेट चटकाए थे। इस दौरान उनकी इकॉनमी रेट 3.50 की रही थी। इंडियन प्रीमियर लीग में हर सीजन नए रिकॉर्ड बनते हैं और पुराने टूटते हैं। लेकिन एक रिकॉर्ड ऐसा भी था, जो लगभग 11 साल तक अटूट रहा। आईपीएल में

पाकिस्तानी खिलाड़ियों को 2008 के पहले सीजन के बाद हिस्सा लेने का मौका नहीं मिला। पहले सीजन में पाकिस्तानी क्रिकेटरों ने जबरदस्त प्रदर्शन किया था और कई यादगार पल दिए थे।

सोहेल तनवीर ने पहले आईपीएल में बनाया था रिकॉर्ड

इसी 2008 सीजन में पाकिस्तान के तेज गेंदबाज सोहेल तनवीर ने राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हुए एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मात्र 14 रन देकर 6 विकेट चटकाए थे। इस दौरान उनकी इकॉनमी रेट 3.50 की रही थी। तनवीर की शानदार गेंदबाजी के कारण सीएसके सिर्फ 109 रन पर ऑलआउट हो गई थी। राजस्थान रॉयल्स ने 14.2 ओवर में सिर्फ 2 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया था। यह आईपीएल इतिहास का सबसे बेहतरीन गेंदबाजी प्रदर्शन बन गया और पूरे 11 साल तक कोई इसे तोड़ नहीं पाया।

ब्रिटेन में प्रीमियर लीग फुटबॉल में भाग लेती हुई एएफसी बोर्नमाउथ व मैनचेस्टर यूनाइटेड फुटबॉल क्लब की टीमें।

दो मैचों की टी-20 सीरीज खेलेगी, 8 साल में चौथा दौरा होगा

टीम इंडिया जून में आयरलैंड दौरे पर जाएगी

मुंबई। भारत की फूल स्ट्रेंथ टीम जून 2026 में आयरलैंड दौरे पर जाएगी, जहां दोनों टीमों के बीच दो मैचों की टी-20 इंटरनेशनल सीरीज खेली जाएगी। बीसीसीआई ने इस दौरे का शेड्यूल शनिवार को घोषित कर दिया गया है।

यह सीरीज वर्ल्ड कप जीत के बाद भारत की पहली टी-20 सीरीज होगी। भारत ने 8 मार्च को अहमदाबाद में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर खिताब अपने नाम किया था।

8 साल में चौथा दौरा

भारत ने पिछले आठ सालों में (2018, 2022 और 2023) तीन बार आयरलैंड का दौरा किया है। आयरलैंड के लिए यह दौरा व्यस्त 2026 कार्यक्रम का हिस्सा है। उसे न्यूजीलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मुकाबला और अफगानिस्तान के खिलाफ पांच वनडे मुकाबले भी खेलने हैं।

इंग्लैंड का भी दौरा करेगा भारत

भारत इस साल इंग्लैंड का दौरा करेगा। दोनों टीमों के बीच आठ वाइट बॉल मैच खेले जाएंगे। भारत जुलाई में पांच टी-20 और तीन वनडे मैच खेलने के लिए इंग्लैंड दौरा करेगा।

भारत का आयरलैंड दौरा

मैच	तारीख	वेन्यू
पहला टी-20	26 जून	बेलफास्ट
दूसरा टी-20	28 जून	बेलफास्ट

भारत को नहीं हरा सकी आयरलैंड

भारत और आयरलैंड के बीच अब तक 3 टी-20 सीरीज खेले गए हैं। साल 2018 और 2022 में खेले गए दोनों ही दौरे पर भारत ने 2-0 से क्लीन स्वीप किया था। वहीं 2023 की तीन मैचों की सीरीज में भी भारतीय टीम ने 2-0 से जीत दर्ज की, जबकि एक मुकाबला नहीं हो सका। ये तीनों सीरीज आयरलैंड में ही खेली गई।

अफगानिस्तान के खिलाफ भी खेलेगी टीम

आईपीएल के बाद भारतीय टीम जून में अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज खेलेगी। इसकी शुरुआत 6 जून से एकमात्र टेस्ट मैच से होगी। इसके बाद दोनों टीमों के बीच तीन वनडे मुकाबले खेले जाएंगे। पहला वनडे 14 जून को धर्मशाला में, दूसरा 17 जून को लखनऊ और तीसरा 20 जून को चेन्नई में खेला जाएगा।

रायगढ़ नगर निगम का बकायेदारों पर चाबुक : पेट्रोल पंप सील, संचालक पर FIR और कोर्ट केस की तैयारी..!

रायगढ़/मूक पत्रिका

नगर निगम ने शहर में बकाया करों की वसूली के लिए अपने अभियान को बेहद सख्त कर दिया है। बड़े बकायेदारों पर शिकंजा कसते हुए निगम प्रशासन ने गोरखा सरायपाली चौक स्थित एक पेट्रोल पंप को सील कर दिया है। टैक्स भुगतान के एवज में दिया गया चेक बाउंस होने के मामले में अब संचालक के खिलाफ एफआईआर (स्न्ढ्क्र) दर्ज कराने और न्यायालय में परिवाद दायर करने की तैयारी की जा रही है।

चेक बाउंस होने पर हुई सख्त कार्रवाई–निगम अधिकारियों ने बताया कि गोरखा सरायपाली चौक स्थित पेट्रोल पंप संचालक सुनील गर्ग को टैक्स जमा करने के लिए बार-बार नोटिस जारी किए गए थे। इसके बाद संचालक द्वारा एक चेक दिया गया, जो बैंक में बाउंस हो गया। इस घोर लापरवाही पर कड़ा रुख अपनाते हुए निगम की संयुक्त टीम ने बुधवार को उक्त पेट्रोल पंप को सील कर दिया। निगम प्रशासन का कहना है कि इस विधिक कार्रवाई का उद्देश्य अन्य बकायेदारों को सख्त संदेश देना है।

कार्रवाई के डर से मौके पर ही हुआ भुगतान–निगम के इस सख्त रवैये का असर शहर भर में देखने को मिल रहा है। गुरुवार को जब निगम की टीम शहीद चौक स्थित महालक्ष्मी ट्रेडिंग कंपनी द्वारा संचालित शॉपिंग कॉम्प्लेक्स को सील करने पहुंची, तो संचालक निरंजन लाल अग्रवाल ने बिना देरी किए तत्काल बकाया टैक्स का भुगतान कर दिया। इसी प्रकार, सदर हटरी और केवड़ाबाड़ी बस स्टैंड स्थित निगम की दुकानों के संचालकों ने भी टीम को देखते ही मौके पर अपने बकाया टैक्स और किराये की राशि जमा कर दी।

कटे नल कनेक्शन, कर चुकाने पर मिली राहत–टैक्स न चुकाने वालों के खिलाफनिगम सिर्फदुकानों को सील करने तक सीमित नहीं है। टीम ने कई उपभोक्ताओं के नल कनेक्शन भी काट दिए हैं। इनमें भक्ति गली के श्याम कुमार डे, गद्दीचौक स्थित आदित्य सांवरिया और शासकीय बुनकर समिति आदि शामिल हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जब तक बकाया राशि जमा नहीं होगी, ये कनेक्शन पुनः बहाल नहीं किए जाएंगे। हालांकि, जो लोग टैक्स भर रहे हैं, उन्हें राहत भी दी जा रही है। कबीर चौक क्षेत्र में बकाया कर के चलते सील की गई छोटू बेग की दुकान को टैक्स जमा करने के तुरंत बाद निगम ने खोल दिया।

विकास में भागीदार बनें नागरिकः निगमायुक्त–नगर निगम आयुक्त बृजेश सिंह क्षत्रिय ने राजस्व विभाग, अतिक्रमण शाखा और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीमों को निर्देश दिए हैं कि बड़े बकायेदारों की सूची तैयार कर उन पर प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई की जाए। आयुक्त श्री क्षत्रिय ने शहरवासियों से अपील करते हुए कहा, ÷नागरिक समय पर अपने करों का भुगतान करें ताकि किसी भी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई और अतिरिक्त सरचार्ज से बचा जा सके। नागरिकों द्वारा जमा किए गए टैक्स से ही शहर में विकास कार्य और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना संभव हो पाता है।÷

धोखाधड़ी कर फोम मशीन उड़ाने वाले दो शातिर ठग चढ़े भानुप्रतापपुर पुलिस के हत्थे

कांकेर /मूक पत्रिका

- भानुप्रतापपुर धोखाधड़ी और ठगी के मामलों पर नकेल कसते हुए भानुप्रतापपुर पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने फोम मशीन की चोरी और ठगी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से सामान बरामद कर लिया है। प्रार्थी पूनम बघेल (उम्र 29 वर्ष), पिता जीवनलाल बघेल, निवासी कनापोड़ (लखनपुरी), जो कि 'बघेल इन्वेंट स्न्रङ्ग लखनपुरी' के संचालक हैं, ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि 26 फरवरी को तुकेश देवांगन के मोबाइल नंबर से उन्हें कॉल आया और एक फोम मशीन का ऑर्डर दिया गया। प्रार्थी ने अपने सह-कर्मचारी दीपेश साहू और साहिल साहू के माध्यम से मशीन को बोलेरो (छत्र 04 ॥ड्ढ-0603) से भानुप्रतापपुर भिजवाया। वहाँ पोस्ट ऑफिस के पास दो युवक 'छोटा हाथी' गाड़ी लेकर मिले और मशीन को अपनी गाड़ी में लोड करवा लिया। इसके बाद उन्होंने एडवांस पैसा देने के बहाने कर्मचारियों को रेस्ट हाउस के पास रुकने को कहा और खुद मशीन लेकर रफूचक्कर हो गए। पुलिस ने गहन छानबीन के बाद दल्लीराजहरा (जिला बालोद) से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया हैः देवेंद्र श्रीवास (उम्र 18 वर्ष), पिता राजकुमार श्रीवास, निवासी वार्ड नंबर 5, शिकारीपारा, दल्लीराजहरा। ताराचंद देश लहरे (उम्र 20 वर्ष), पिता कार्तिक राम देश लहरे, निवासी वार्ड नंबर 5, शिकारीपारा, दल्लीराजहरा। पुलिस टीम की संपूर्ण कार्यवाही में पुलिस अधीक्षक निखिल अशोक राखेचा और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश श्रीमाल के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी रामेश्वर प्रसाद देशमुख की टीम ने यह कार्रवाई की।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से ठगी गई फोम मशीन बरामद कर ली है और दोनों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। इस कार्रवाई में रामबीर जाड़े, प्र.आर. विजय कटकवार और आरक्षक टोमन साहू की मुख्य भूमिका रही।

चैत्र नवरात्रि के पावन पर्व पर कवर्धा के गन्ना किसानों को बड़ी सौगात

रायपुर/मूक पत्रिका

भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष आलोक सिंह ठाकुर ने कहा कि चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर कवर्धा जिले के गन्ना किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण और सुखद समाचार लेकर आया है। उन्होंने कहा कि भोरमदेव सहकारी शक्कर उत्पादक कारखाना मर्यादित, राम्हेपुर (कवर्धा) द्वारा किसानों के हित में बड़ा कदम उठाते हुए गन्ना किसानों को 5.97 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई है। यह भुगतान किसानों के प्रति कारखाना प्रबंधन की प्रतिबद्धता और उनकी मेहनत के सम्मान का प्रतीक है। इस राशि के जारी होने से क्षेत्र के सैकड़ों गन्ना उत्पादक किसानों को राहत मिलेगी और उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूती प्राप्त होगी।भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री ठाकुर ने कहा कि कारखाना प्रबंधन द्वारा अब तक गन्ना किसानों को कुल मिलाकर 57.48 करोड़ रुपये का भुगतान सफलतापूर्वक किया जा चुका है। इससे किसानों में संतोष और विश्वास का माहौल बना हुआ है। चैत्र नवरात्रि के इस शुभ अवसर पर किसानों को मिली यह सौगात न केवल उनके परिश्रम का सम्मान है, बल्कि क्षेत्र में कृषि और किसान कल्याण के प्रति सकारात्मक प्रयासों का भी प्रतीक है। किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री ठाकुर के नेतृत्व में भाजपा किसान मोर्चा के टीम ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से मिल कर इस पहल के लिए आभार व्यक्त किया।

24 मार्च तक प्रीएमसीए प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

मास्टर ऑफ़ कम्प्यूटर एप्लीकेशन (एमसीए) में दाखिला के लिए आयोजित प्री एमसीए प्रवेश परीक्षा का ऑनलाइन आवेदन इच्छुक युवा सीजी व्यापम की वेबसाईट में 24 मार्च 2026 तक जमा कर सकते हैं।आरसेटी सारंगढ़ का सब्जी उत्पादन एवं नर्सरी प्रबंधन 12 दिवसीय प्रशिक्षण सफलतापूर्वक सम्पन्न-सारंगढ़ बिलाईगढ़, 22 मार्च 2026/ भारतीय स्टेट बैंक द्वारा प्रायोजित ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी), सारंगढ़ द्वारा आयोजित सब्जी उत्पादन एवं नर्सरी प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन समारोह ग्राम पंचायत छिंद में संपन्न हुआ। यह 12 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 11 से 22 मार्च तक सफलतापूर्वक संचालित किया गया, जिसमें ग्रामीण युवाओं एवं महिलाओं को सब्जी उत्पादन एवं नर्सरी प्रबंधन से संबंधित व्यावहारिक एवं तकनीकी जानकारी प्रदान किया गया। समापन समारोह के अवसर पर ग्राम पंचायत छिंद के सरपंच नरेश रात्रे मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार के नए अवसर प्रदान करते हैं तथा युवाओं को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में प्रेरित करते हैं। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को सब्जी उत्पादन, नर्सरी तैयार करने की तकनीक, फसल प्रबंधन एवं विपणन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। कार्यक्रम के सफल संचालन पर उपस्थित सभी जनों ने इसकी सराहना करते हुए इसे ग्रामीण विकास एवं स्वरोजगार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया।कार्यक्रम में पीआरपी कुसुम वैष्णव, आरसेटी सारंगढ़ के फैकल्टी अतुल कुमार मिश्रा, कार्यालय सहायक विमला पटेल, मधु यादव, संस्थान के सहयोगी उमेश बरेठ, योगेश यादव सहित सभी प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

जिला दंडाधिकारी डॉ संजय कन्नौजे ने सिंघनपुर के जनार्दन टंडन को किया जिलाबदर

सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिला सहित पड़ोसी जिलों की सीमाओं में प्रवेश पर 1 वर्ष तक प्रतिबंध

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी डॉ संजय कन्नौजे ने 6 बार विभिन्न अपराध में एफआईआर दर्ज और 10 साल से अपराध में संलिप्तता के कारण जनार्दन टंडन पिता तिरीथ राम टंडन निवासी ग्राम सिंघनपुर, थाना कोसीर को छत्तीसगढ़ राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 5 (क) (ख) के तहत जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ एवं समीपवर्ती जिला रायगढ़, सक्ती, जांजगीर चांपा, बलौदाबाजार भाटापारा व महासमुंद की सीमाओं में 1 वर्ष की काल अवधि के लिए जनार्दन टंडन को जिला बदर किया है और इन सभी जिलों की सीमाओं में निष्कासित अवधि तक किसी भी दशा में न्यायालय ने पूर्व अनुमति प्राप्ति के बिना, प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया है।

मुख्यमंत्री बिजली बिल समाधान योजना 2026 के तहत उपभोक्ताओं को मिल रही बड़ी राहत - जेई मोहन्दास बैरागी

नवागढ़/मूक पत्रिका

मुख्यमंत्री बिजली बिल समाधान योजना 2026 के अंतर्गत उपभोक्ताओं को बकाया बिजली बिल में राहत प्रदान की जा रही है। इस संबंध में विद्युत विभाग नवागढ़ उपसंभाग के कनिष्ठ अभियंता (जेई) श्री मोहन्दास बैरागी द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि छत्तीसगढ़ विद्युत वितरण कंपनी द्वारा 11 फरवरी 2026 से इस विशेष योजना का संचालन किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य उपभोक्ताओं को पुराने बकाया से राहत देना है। श्री बैरागी ने बताया कि इस योजना के तहत बीपीएल, घरेलू एवं कृषि उपभोक्ताओं को विभिन्न श्रेणियों में आकर्षक छूट दी जा रही है। 31 मार्च 2023 से पूर्व निष्क्रिय हो चुके उपभोक्ताओं के लिए विशेष राहत का प्रावधान है, जिसमें बीपीएल उपभोक्ताओं को मूल राशि में 75 प्रतिशत तथा घरेलू एवं कृषि उपभोक्ताओं को 50 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है, साथ ही अधिभार पूर्णतः माफ किया जा रहा है। उन्होंने आगे बताया कि सक्रिय बीपीएल उपभोक्ताओं को भी बकाया अवधि के आधार पर 50 से 75 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है। वहीं सक्रिय घरेलू एवं कृषि उपभोक्ताओं के लिए एकमुश्त या किस्तों में भुगतान की सुविधा उपलब्ध है, जिसमें अधिभार पूर्णतः माफ कर दिया जाता है तथा एकमुश्त भुगतान पर अतिरिक्त छूट का भी प्रावधान है। जेई मोहन्दास बैरागी ने नवागढ़ एवं अंधियारखोर वितरण केंद्र के उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और अपने बकाया बिजली बिल का शीघ्र निराकरण कराएं। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा विभिन्न स्थानों पर शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जहां उपभोक्ता पहुंचकर आसानी से योजना का लाभ ले सकते हैं। विद्युत विभाग ने सभी उपभोक्ताओं से आग्रह किया है कि वे इस अवसर का लाभ उठाकर अपने बकाया बिल का समाधान करें और योजना का अधिकाधिक उपयोग सुनिश्चित करें।

रात की गश्त में पकड़ा गया लकड़ी से भरा वाहन, जांच में निकली 'किसानों की सेमर लकड़ी' – दलाली कनेक्शन भी आया सामने!

सारंगढ़/मूक पत्रिका

रात्रि गश्त के दौरान वन विभाग की टीम ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए बरमकेला के ग्राम लिंजीर चौक के पास लकड़ी से भरे एक संदिग्ध वाहन को रोककर पूछताछ की। शुरुआती जांच में मामला संदिग्ध नजर आया, लेकिन जब तह तक पहुंचा गया तो पूरी कहानी ही सामने आ गई। पूछताछ में वाहन चालक ने बताया कि यह सेमर लकड़ी है, जिसे किसानों द्वारा बेचा गया है। इसके बाद वाहन को निस्तार डिपो बरमकेला में खड़ा कर गहन जांच की गई। जांच के दौरान यह पुष्टि हुई कि लकड़ी वास्तव में किसानों के खेतों से निकली हुई है और वहां ठूंठ (कटे पेड़ों के अवशेष) भी मौजूद पाए गए। मामले में सामने आया कि किसान हेमलता पिता आत्माराम (टीटहीपाली), प्रेमलाल सिदार पिता आनंद राम सिदार, जीतराम सिदार, लछीदर सिदार ने अपनी सेमर लकड़ी स्वेच्छा से रायपुर निवासी विक्रम राव को बेची थी। वहीं, इस पूरे सौदे में राकेश कुमार चौहान द्वारा किसानों से लकड़ी की दलाली कर बेचने की बात भी उजागर हुई है।

जांच को और पुख्ता करने के लिए ग्राम पंचायत के सरपंच और पंचों द्वारा लिखित अनापत्ति प्रमाण पत्र भी प्रस्तुत किया गया, जिसमें स्पष्ट रूप से लकड़ी को किसानों की संपत्ति बताया गया। इसके बाद उच्च अधिकारियों को अवगत कराते हुए वाहन को छोड़ दिया गया।

इस पूरी कार्रवाई के दौरान वन विभाग की टीम पूरी मुस्तैदी के साथ मौजूद रही, जिसमें मिलन भगत (डिप्टी रेंजर), छत्र मोहन नायक, वारले राठिया, मैत्री दरोगा और विजय कुमार भोय शामिल रहे।

बड़ा सवालःजब सब कुछ वैध था, तो रात के अंधेरे में लकड़ी का परिवहन क्यों?

क्या दलालों की भूमिका पर और सख्ती जरूरी है?

वन विभाग की सतर्कता से एक बड़ा मामला सामने आया, जिसने साफ कर दिया कि वैध और अवैध के बीच की लाइन कितनी पतली है – अब नजर रहेगी दलालों पर!

खाली सिलेंडर लेकर सड़कों पर उतरी महिलाएं, आपूर्ति बहाल व दाम घटाने की मांग

गैस किल्लत और महंगाई को लेकर महिला कांग्रेस का धरना-प्रदर्शन

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार । जिला मुख्यालय में रविवार को महंगाई और घरेलू गैस की किल्लत को लेकर महिला कांग्रेस ने धरना-प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में महिलाएं खाली सिलेंडर लेकर सड़कों पर उतरीं और केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन में विधायक विक्रम मंडावी भी शामिल हुए। कांग्रेस और महिला कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि सरकार की गलत नीतियों की वजह से गैस की किल्लत बढ़ी है और महंगाई ने आम लोगों का बजट बिगाड़ दिया है। महिला कांग्रेस नेताओं का कहना था कि उज्वला योजना के नाम पर बड़े वादे किए गए थे, लेकिन अब हालात यह हैं कि बाजार में गैस सिलेंडर आसानी से नहीं मिल रहे। कई जगहों पर कालाबाजारी की शिकायत है और कीमतें भी बहुत ज्यादा हो गई हैं। उन्होंने कहा कि गैस नहीं मिलने से कई घरों में चूल्हा तक नहीं जल पा रहा और महिलाएं मजबूरी में लकड़ी के चूल्हे पर खाना बना रही हैं। धरना स्थल पर विधायक विक्रम मंडावी ने कहा कि बीजापुर जैसे दूरदराज इलाके में पहले से ही सुविधाओं की कमी है, ऊपर से गैस संकट ने लोगों की परेशानी और बढ़ा दी है। उन्होंने सरकार पर आम लोगों की समस्याओं को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। महिला कांग्रेस ने मांग की कि गैस सिलेंडर की सप्लाई तुरंत शुरू की जाए, कीमत कम की जाए और कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई हो। साथ ही महंगाई पर नियंत्रण और रोजगार के अवसर बढ़ाने की भी बात कही गई। मांगें नहीं माने जाने पर आगे उग्र आंदोलन की चेतावनी दी गई है।

पुतला दहन, ज्ञापन सौंपा

प्रदर्शन के दौरान महिलाओं ने खाली सिलेंडर के साथ विरोध जताया, लकड़ी के चूल्हे पर चाय बनाकर नाराजगी दिखाई और भाजपा और मोदी सरकार का पुतला भी फूंका। इसके बाद कलेक्टर के नाम तहसीलदार को बीजापुर के गैस एजेंसीयो से गैस सिलेंडर की सप्लाई तत्काल बहाल करने की माँग का ज्ञापन भी सौंपा गया। इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष लालू राठौर, जिला पंचायत सदस्य नीना रावतिया उद्दे, जिला महिला कांग्रेस की अध्यक्ष गीता कमल, शहर कांग्रेस अध्यक्ष संजना चौहान, पूर्व जिला पंचायत सदस्य पार्वती कश्यप, नगर पालिका अध्यक्ष रिंकी कोरम, जनपद अध्यक्ष सोनू पोटाम, शेख रजिया, रत्ना सोढ़ी, अनीता टेलम, सरोजिनी कट्टम, सरस्वती सांद्रा, नीला लंबाड़ी, पार्वती गौतम, नीलो ओयाम, सरस्वती मंडल, शशि सुरटी, ममता पाण्डे, वीरेंद्र सिंह ठाकुर, पुरुषोत्तम सल्लूर, अरुण वासम, मग्गू खत्री और संजय झाड़ी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस और महिला कांग्रेस की कार्यकर्ता शामिल हुए।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।